PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 246 ● भिलाई, गुरुवार 09 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

एयर इंडिया के सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया के सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब एयरलाइन लगातार वित्तीय दबाव झेल रही है और हाल के वर्षों में सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर नियामकीय जांच का सामना कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विल्सन के इस्तीफे के बाद एयर इंडिया का बोर्ड नए सीईओ की तलाश में तेजी लाएगा। इसे एयरलाइन के पुनर्गठन (टर्नअराउंड) की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। न्यूजीलैंड में जन्मे कैम्पबेल विल्सन को वर्ष 2022 में सिंगापुर एयरलाइंस से एयर इंडिया लाया गया था। टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया के अधिग्रहण के बाद उन्हें कंपनी के पुनरुद्धार की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उनका कार्यकाल जुलाई 2027 तक निर्धारित था, लेकिन उन्होंने इससे पहले ही पद छोड़ने का निर्णय लिया। फिलहाल, वह छह महीने के नोटिस पीरियड के दौरान कंपनी के साथ जुड़े रहेंगे।

चुनावों से पहले नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी ने बनाई नई पार्टी

अमृतसर। कांग्रेस से निष्कासन के बाद नवजोत कौर सिद्धू ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी लॉन्च कर दी है। उन्होंने पार्टी का नाम 'भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी' रखा है। यह घोषणा पंजाब विधानसभा चुनाव से लगभग एक साल पहले की गई है, जिससे राज्य की राजनीति में हलचल तेज होने की संभावना है। नवजोत कौर सिद्धू, जो पूर्व क्रिकेटर और नेता नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी हैं, ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने देशभर में एक नए राजनीतिक विकल्प की जरूरत को महसूस करते हुए यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य देश और लोगों की सेवा करना तथा उन्हें उनका अधिकार दिलाना है। उन्होंने अपने संदेश में कहा, एक ईश्वरीय शक्ति ने समान सोच वाले लोगों को साथ जोड़ा है, जिनमें हर राज्य में काम करने की क्षमता, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प है। हमारा लक्ष्य न्याय और शांति स्थापित करना है।

पश्चिम बंगाल चुनाव : 2.4 लाख अर्धसैनिक जवानों की सबसे बड़ी तैनाती

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं। राज्य में अब तक की सबसे बड़ी अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है, जिससे चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराया जा सके। राज्य में करीब 2,400 अर्धसैनिक कंपनियों के जवान तैनात किए गए हैं। इनकी कुल संख्या लगभग 2,40,000 बताई जा रही है। खास बात यह है कि यह तैनाती पिछले चुनाव के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है, जो इस बार सुरक्षा को लेकर प्रशासन की गंभीरता को दर्शाती है। इतना ही नहीं, इस बार महिला सुरक्षा कर्मियों की भी रिकॉर्ड संख्या में तैनाती की गई है। जानकारी के मुताबिक, करीब 20,000 महिला अर्धसैनिक जवान, यानी लगभग 200 कंपनियां, चुनाव ड्यूटी में लगाई गई हैं।

40 दिन बाद थमी अमेरिका-ईरान की जंग

दोनों देश 2 हफ्ते के सीजफायर का ऐलान-होर्मुज भी खुला

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच की जंग 2 हफ्तों के लिए रुक गई है. दोनों देश 2 हफ्तों के सीजफायर के लिए राजी हो गए हैं. कुछ घंटों पहले यह धमकी देने के बाद कि आज रात एक पूरी सभ्यता मर जाएगी, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने ईरान के साथ दो हफ्ते का युद्ध-विराम (सीजफायर) कर ली है. इससे पहले वे ईरान के बिजली घरों और पुलों पर हमले की धमकी दे रहे थे, लेकिन अब उन्होंने उस खतरे से पीछे हटने का फैसला किया है. ईरान की तरफ से भी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सीजफायर पर मुहर लगाई है. डोनाल्ड ट्रंप ने यह युद्ध-विराम अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर घोषित किया. उन्होंने कहा कि उन्होंने पाकिस्तान की तरफसे दिया गया प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है. इस प्रस्ताव में कहा गया है कि दो हफ्ते तक लड़ाई रोक दी जाए और होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोल दिया जाए. ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इन दो हफ्तों के समय का इस्तेमाल ईरान के साथ अंतिम समझौता करने के लिए करेगा. यानी इन दो हफ्तों में बातचीत होगी. उन्होंने लिखा, ऐसा करने का कारण यह है कि हम अपने सभी सैन्य लक्ष्यों को पहले ही पूरा कर चुके हैं और उनसे भी आगे बढ़ चुके हैं. साथ ही हम ईरान के साथ लंबे समय की शांति और पूरे मध्य पूर्व में शांति के लिए एक पक्का समझौता करने के बहुत करीब हैं. ट्रंप ने यह भी कहा कि वॉशिंगटन को तेहरान से 10 बिंदुओं का प्रस्ताव मिला है और इसे बातचीत शुरू करने के लिए

अच्छा आधार माना जा रहा है. उन्होंने कहा, हमें ईरान से 10 बिंदुओं का प्रस्ताव मिला है और हमें लगता है कि बातचीत करने के लिए यह एक सही आधार है. लेकिन इस घोषणा के साथ एक शर्त भी रखी गई. ट्रंप ने कहा कि यह युद्ध-विराम तभी होगा जब इस्लामी गणराज्य ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह, तुरंत और सुरक्षित तरीके से खोलने के लिए राजी हो. ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान पोस्ट करके युद्ध-विराम स्वीकार करने की बात कही. उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री शरीफकी ट्वीट में की गई भाईचारे वाली अपील के जवाब में, और अमेरिका द्वारा उसके 15 बिंदुओं वाले प्रस्ताव के आधार पर बातचीत की मांग को देखते हुए, साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा ईरान के 10 बिंदुओं वाले प्रस्ताव के सामान्य ढांचे को बातचीत का आधार मानने की घोषणा को ध्यान में रखते हुए, मैं ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की ओर से यह घोषणा करता हूं: अगर ईरान पर हमले रुक जाते हैं, तो हमारी शक्तिशाली सशस्त्र सेनाएं अपनी रक्षात्मक कार्रवाई रोक देंगी. उन्होंने आगे कहा, दो हफ्तों की अवधि के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवाजाही संभव होगी, लेकिन इसके लिए ईरान की सशस्त्र सेनाओं के साथ समन्वय (कॉर्डिनेट) करना होगा और कुछ तकनीकी सीमाओं का भी ध्यान रखना होगा.

सीजफायर के कुछ ही घंटों बाद कोहराम! यूएई और कुवैत पर बरसीं मिसाइलें

पश्चिम एशिया में जारी महाजंग के बीच बुधवार सुबह अमेरिका और ईरान के बीच जिस सीजफायर का ऐलान हुआ था, वह चंद घंटों के भीतर ही तहसनहस नजर आ रहा है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच 40 दिनों से चल रही जंग को रोकने के लिए 15 दिनों के युद्धविराम पर सहमति बनी थी लेकिन ताजा घटनाक्रमों ने इस शांति समझौते पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत ने दावा किया है कि उन पर ईरान की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमले किए जा रहे हैं। यूएई सरकार के आधिकारिक बयानों के अनुसार, ईरान की ओर से अभी भी मिसाइलें दागी जा रही हैं। यूएई ने स्पष्ट किया कि उसका एयर डिफेंस सिस्टम इन हमलों का जवाब देने और मिसाइलों को आसमान में ही नष्ट करने में सक्षम है हालांकि उन्होंने हमलों के सटीक स्थान का खुलासा नहीं किया है।

मेरठ से 3 बार रही सांसद

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का हुआ निधन..

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और मेरठ से तीन बार सांसद रहीं मोहसिना किदवई का बुधवार को 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जानकारी के अनुसार, उन्होंने सुबह चार बजे अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमार चल रही थीं। उनके निधन पर कई राजनेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मोहसिना किदवई की अंतिम यात्रा नोएडा के सेक्टर 40 स्थित उनके आवास से दोपहर 3 बजे निकलेगी और दिल्ली के निजामुद्दीन कब्रिस्तान में शाम 5 बजे उन्हें सुपुर्दे खाक किया जाएगा। अंतिम यात्रा की तैयारियों को लेकर प्रशासन और परिवार दोनों ही काम कर रहे हैं। राजनीति में उनका योगदान लंबा और प्रभावशाली रहा। उन्होंने इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की सरकारों में केंद्रीय मंत्री के रूप में काम किया। उनके मंत्रालयों में स्वास्थ्य, शहरी विकास, पर्यटन और नागरिक उड्डयन शामिल थे।

नई दिल्ली में, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनके परिवार के खिलाफ लगाए गए आरोपों से जुड़े एक मामले में पूछताछ के बाद, असम पुलिस की टीम कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के आवास से रवाना हो गई।

चुनाव आयोग पर भड़के केजरीवाल

इतने अहम संस्थान की इज्जत मत उछालिए...!

नई दिल्ली। भारतीय निर्वाचन आयोग ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल से पोस्ट करते हुए एक बड़ा स्टेटमेंट दिया। अब इस पोस्ट पर कई तरह के रिएक्शन सामने आ रहे हैं। इसी मामले में नाराजगी जताते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी एक पोस्ट किया है। अपने पोस्ट में उन्होंने सीधे-सीधे चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। केजरीवाल ने चुनाव आयोग पर भारतीय जनता पार्टी के निर्देशों पर काम करने का गंभीर आरोप लगाया है। अब अरविंद केजरीवाल के इस पोस्ट की चर्चाएं तेज हो गई हैं। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए लिखा कि अब यह कहने की जरूरत नहीं है कि चुनाव आयोग सीधे भारतीय जनता पार्टी के निर्देश लेकर और भाजपा के अंडर में काम कर रहा है।

इन्फ्लेशन 4.6प्रतिशत पर बरकरार

आरबीआई ने रेपो रेट में फिर नहीं किया कोई बदलाव-संजय

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने नए वित्त वर्ष की अपनी पहली मौद्रिक नीति समिति में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय एमपीसी ने सर्वसम्मति से रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और रुपये की कमजोरी को देखते हुए केंद्रीय बैंक ने फिलहाल सतर्क रुख अपनाया है। दिसंबर 2025 में आखिरी बार दरों में कटौती के बाद से आरबीआई 'वेट एंड वॉच' की रणनीति पर काम कर रहा है, ताकि पहले किए गए नीतिगत बदलावों का असर अर्थव्यवस्था पर पूरी तरह दिख सके। इस बार भी एमपीसी ने अपना 'न्यूट्रल' स्टांस बरकरार रखा है, जिससे संकेत मिलता है कि बैंक भविष्य में परिस्थितियों के अनुसार लचीले तरीके से फैसले लेगा। संजय मल्होत्रा ने कहा कि घरेलू स्तर पर महंगाई फिलहाल नियंत्रण में है, लेकिन वैश्विक स्तर पर सप्लाई बाधाएं और ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी आगे जोखिम पैदा कर सकती है। आरबीआई का मुख्य लक्ष्य महंगाई को टिकाऊ रूप से 4 प्रतिशत के आसपास बनाए रखना और आर्थिक विकास को समर्थन देना है। उन्होंने यह भी बताया कि मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष और ऊर्जा ढांचे को नुकसान के कारण 'सप्लाई शॉक' जैसी स्थिति बनी हुई है, जिससे महंगाई और ग्रोथ दोनों प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि, भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत बताई गई है, जो बाहरी झटकों को झेलने में सक्षम है।

बंगाल में एसआईआर के बाद 90 लाख से ज्यादा मतदाता वोटर लिस्ट से बाहर

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत विचाराधीन 60 लाख से अधिक मामलों का विस्तृत डेटा जारी किया है। इस प्रक्रिया के दौरान अब तक कुल 90.66 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं। आयोग ने पहली बार जिलावार आधार पर नाम जोड़ने और हटाने के आंकड़े भी सार्वजनिक किए हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया तीन प्रमुख चरणों में पूरी हुई। दिसंबर 2025 में प्रारंभिक ड्राफ्ट तैयार करते समय 58.2 लाख नाम हटाए गए थे।

बीजेपी के आगे झूके मल्लिकार्जुन खरगे!

पहले गुजरातियों को बताया बेवकफ अब मांगी माफी....

नई दिल्ली/ एजेंसी

केरल में विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच गुजराती समुदाय के लोगों पर दिए गए अपने बयान को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने माफी मांगी है। इस दौरान उन्होंने कहा है कि उनके बयान को जानबूझकर कर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है, इसके बावजूद भी वह खेद व्यक्त करते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा कि मेरे एक चुनावी भाषण के कुछ बयानों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। फिर भी, मैं अपनी तरफ से जिम्मेदारी के साथ खेद व्यक्त करता हूं। अपने सोशल मीडियो में मल्लिकार्जुन खरगे ने आगे लिखा कि गुजरात के लोगों के प्रति मेरे मन में हमेशा ही सर्वोच्च सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा। वहां के लोगों की भावनाओं को आहत करना मेरा कभी उद्देश्य नहीं था। बता दें कि बीते दिनों केरल में चुनाव प्रचार करते हुए खरगे ने एक रैली को संबोधित किया था, जहां पर उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधा था। हालांकि, इस दौरान उन्होंने गुजरात के लोगों का जिक्र किया, जिससे काफी विवाद हुआ। खरगे ने कहा था कि मोदी जी, आप गुजरात के अनपढ़ लोगों को बेवकूफबना सकते हैं, लेकिन केरल के लोगों को बेवकूफ नहीं बना सकते। कांग्रेस अध्यक्ष के इस बयान का भाजपा के नेताओं ने व्यापक निंदा की थी और आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी के डीएनए में गुजरात विरोधी जहर बहता है।

जयपुर मेट्रो फेज-2 से लेकर खाद सब्सिडी तक

खरीफ सीजन के लिए 41,534 करोड़ रूपए की सब्सिडी....

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश के विकास को नई रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 1,74,207 करोड़ रुपये के पांच बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन फैसलों में जयपुर मेट्रो फेज-2, किसानों के लिए खाद सब्सिडी, एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी और अरुणाचल प्रदेश के दो बड़े हाइड्रो की परियोजनाएं भी शामिल हैं। सरकार ने जयपुर मेट्रो फेज-2 को 13,038 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी है। यह 41 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर होगा जिसमें 36 स्टेशन बनेंगे और यह प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक जाएगा। वहीं, खरीफ 2026 के लिए 41,534 करोड़ रुपये की खाद सब्सिडी भी मंजूर की गई है। इससे किसानों को डीएपी और अन्य उर्वरक सस्ती कीमत पर मिलेंगे और खेती की लागत कम होगी। आइए, सरकार द्वारा सभी लिए गए फैसलों पर नजर डालते हैं। और आसान भाषा में समझने की कोशिश करते हैं। जयपुर मेट्रो फेज-2 शहर के ट्रांसपोर्ट सिस्टम को पूरी तरह बदलने वाली परियोजना मानी जा रही है। यह 41 किलोमीटर लंबा नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर होगा, जो प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक जाएगा। इस रूट में 36 स्टेशन होंगे और यह शहर के बड़े इलाकों जैसे एयरपोर्ट, सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, टोंक रोड और एसएमएस अस्पताल को जोड़ेगा। इससे लोगों को तेज, सस्ता और आसान सफर मिलेगा। इस परियोजना का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि शहर में ट्रैफिक जाम कम होगा और प्रदूषण भी

घटेगा। अभी मेट्रो के पहले चरण में रोज करीब 60 हजार लोग सफर करते हैं, लेकिन फेज-2 आने के बाद यह संख्या कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। यह परियोजना 2031 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और इससे जयपुर को आधुनिक शहर बनाने में मदद मिलेगी। 41 किमी लंबा मेट्रो कॉरिडोर 36 स्टेशन और बड़े इलाकों से कनेक्टिविटी ट्रैफिक और प्रदूषण में कमी रोजाना यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी 2031 तक पूरा करने का लक्ष्य सरकार ने खरीफ 2026 सीजन के लिए 41,534 करोड़ रुपये की न्यूट्रिएंट बेस्ड सब्सिडी को मंजूरी दी है। यह सब्सिडी फॉस्फेटिक और पोटाश उर्वरकों पर दी जाएगी, जिसमें डीएपी और एनपीके जैसे खाद शामिल हैं। इसका मकसद किसानों को सस्ती कीमत पर खाद उपलब्ध कराना है, ताकि खेती की लागत कम हो सके। अंतरराष्ट्रीय बाजार में उर्वरकों की कीमतों में उतार-चढ़ाव को देखते हुए सरकार ने यह कदम उठाया है। इस योजना के तहत कंपनियों को सब्सिडी दी जाएगी, जिससे किसान को सीधे सस्ता खाद मिलेगा। सरकार का दावा है कि इससे खेती को बढ़ावा मिलेगा और उत्पादन में सुधार होगा। 41,534 करोड़ रुपये की सब्सिडी डीएपी और एनपीके जैसे खाद शामिल किसानों को सस्ती दर पर उर्वरक खेती की लागत में कमी उत्पादन बढ़ाने में मदद। एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी देश के सबसे बड़े ऊर्जा परियोजना में से एक है।

कमला हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना (1720 मेगावाट को मंजूरी

कमला हाइड्रो परियोजना अरुणाचल प्रदेश में बनाई जाएगी और इसकी क्षमता 1720 मेगावाट होगी। इस पर 26,070 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह परियोजना बिजली उत्पादन के साथ-साथ बाढ़ नियंत्रण और राष्ट्रीय ग्रिड को संतुलित करने में भी मदद करेगी। इस परियोजना से राज्य को 12 प्रतिशत मुफ्त बिजली मिलेगी और स्थानीय विकास के लिए अलग फंड भी मिलेगा। इसके तहत सड़क, पुल, अस्पताल और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिससे इलाके का विकास तेज होगा और लोगों को रोजगार मिलेगा।
1720 मेगावाट बिजली उत्पादन 26,070 करोड़ रुपये का निवेश बाढ़ नियंत्रण में मदद
12प्रतिशत मुफ्त बिजली राज्य को स्थानीय विकास और रोजगार मिलेगा।

सभी विभाग प्रमुख 'आई गोट कर्मयोगी पोर्टल' में अपने अधीनस्थ अधिकारी कर्मचारियों का शत प्रतिशत आनबोर्डिंग कराना सुनिश्चित करें : दिव्या मिश्रा

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों को भारत सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों के कार्यक्षमता, जवाबदेही और नागरिक केन्द्रित सेवा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई आई गोट कर्मयोगी पोर्टल में अपने अधीनस्थ सभी अधिकारी-कर्मचारियों का अनिवार्य रूप से आनबोर्डिंग कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर दिव्या मिश्रा संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में उपस्थित अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। दिव्या मिश्रा ने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारियों के वार्षिक वेतन वृद्धि के लिए उन्हें आई गोट कर्मयोगी पोर्टल में आनबोर्डिंग कराना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा अधिकारी-कर्मचारियों के वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट में भी इसकी जानकारी अंकित की जाएगी। उन्होंने जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निर्धारित तिथि 15 अप्रैल के पूर्व आईगोट कर्मयोगी पोर्टल में अनिवार्य रूप से आनबोर्डिंग कराने को कहा। बैठक में कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने जिले में प्रगतिरत निर्माण कार्यों के प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्य से जुड़े विभागों के अधिकारियों को निर्माण कार्यों में शत प्रतिशत गुणवत्ता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यों में गुणवत्ता के साथ किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। कलेक्टर ने गुणवत्ताविहीन कार्य पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं नूतन कंवर सहित संयुक्त कलेक्टर मधुहर्ष तथा राजस्व अनुविभागीय अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कृषि प्रायोजन हेतु बोर खनन के लिए अनुमति नहीं देने के निर्देश

बैठक में कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास से जिले में मौजूदा शिक्षा सत्र से प्रयास आवासीय विद्यालय प्रारंभ करने हेतु की जा रही कार्यवाही के संबंध में भी जानकारी ली। इसके लिए उन्होंने फिलहाल दल्लीराजहरा के बीएसपी स्कूल क्रमांक 02 में बालक छात्रावास एवं विद्यालय का संचालन तथा बीएसपी स्कूल क्रमांक 30 में कन्या छात्रावास के संचालन हेतु सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं एसडीएम डौण्डी को समन्वय स्थापित कर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में उन्होंने ग्रीष्म ऋतु के मद्देनजर जिले में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की भी समीक्षा की।

उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को जिले में तेजी से घटते भूजल स्तर को देखते हुए किसी भी स्थिति में कृषि प्रायोजन हेतु बोर खनन के लिए अनुमति नहीं देने के निर्देश दिए हैं। बैठक में दिव्या मिश्रा ने जिले में खनिज पदार्थों के अवैध परिवहन एवं उत्खनन पर रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों के द्वारा की जा रही कार्यवाही की भी समीक्षा की। इसके लिए उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को इसके लिए पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने तथा खनिज पदार्थों के अवैध परिवहन एवं उत्खनन करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने जिला आबकारी अधिकारी को शराब के अवैध बिक्री पर रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु की जा रही कार्रवाई के संबंध में भी जानकारी ली। इसके लिए उन्होंने समुचित उपाय सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने जिले में जल संचयन, जन भागीदारी अभियान के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

रोजगार दिवस में जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता देने पर विशेष चर्चा

बेमेतरा। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार सह आवास दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत कार्यरत श्रमिकों एवं ग्रामीणजनों को विभिन्न योजनाओं एवं आजीविका संवर्धन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान नवा तरिया आय के जरिया पहल के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि नवा तरिया निर्माण से न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि विभिन्न योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से महिलाओं की आय में वृद्धि भी सुनिश्चित होगी। इस अवसर पर ग्राम पंचायतों में स्थापित क्यूआर कोड के माध्यम से शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने हेतु हितग्राहियों को प्रेरित किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 90 दिवस की मजदूरी, किश्तों के प्रावधान एवं निर्माण प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की गईं। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रामीणों को जनभागीदारी के माध्यम से प्रत्येक घर में सोख्ता गड्ढा निर्माण हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम में वीबी-जी-राम-जी अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया गया तथा ग्रामीणों को अभियान से जुड़ने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

जिला पंचायत सीईओ ने जनदर्शन में सुनीं लोगों की समस्याएं, 28 आवेदन प्राप्त हुये, कई मामलों का हुआ त्वरित निराकरण

बेमेतरा। कलेक्टोरेट के दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) प्रेमलता पदमाकर ने की।

जनदर्शन में जिले के विभिन्न विकासखंडों और ग्रामों से आए नागरिकों ने अपनी-अपनी शिकायतें, समस्याएँ और मांगें रखीं। इस दौरान सीईओ पदमाकर ने सभी उपस्थित नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। कई मामलों का निराकरण मौके पर ही किया गया, जबकि जांच योग्य मामलों को टीएल पंजी (टाइम लिमिट रजिस्टर) में दर्ज कर शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए।

ग्रामीणों की विभिन्न समस्याएँ आई सामने

जनदर्शन में कुल 28 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कई तात्कालिक महत्व के थे। इनमें भूमि संबंधी विवाद, पेंशन, मुआवजा, आवास योजना, विद्युत तारों की ऊँचाई, रास्ते की समस्या, मुक्तिधाम के लिए भूमि जैसी शिकायतें प्रमुख रहीं। इसके अतिरिक्त, आम नागरिकों द्वारा निराश्रित पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृति, बैटरी चलित ट्रायसायकल की मांग, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, तथा आम रास्ता खुलवाने जैसे विषयों पर भी आवेदन प्रस्तुत किए गए। सीईओ प्रेमलता पदमाकर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का समय-सीमा में निपटारा किया जाए और समाधान की जानकारी आवेदक को दी जाए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी व्यक्ति अपनी शिकायतों के निराकरण से वंचित न रहे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

बस्तर में नक्सलवाद से मुक्ति कांग्रेसी चेहरों की सबसे बड़ी हार : श्याम जायसवाल

दल्लीराजहरा। भारत को आधिकारिक तौर पर 'नक्सल मुक्त' घोषित किए जाने के ऐतिहासिक अवसर पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्याम जायसवाल ने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय और प्रादेशिक नेतृत्व पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि आज बस्तर की मुक्ति उन कांग्रेसी चेहरों की सबसे बड़ी हार है, जिन्होंने दशकों तक नक्सलियों को अपना 'वैचारिक और राजनीतिक कवच' प्रदान किया। श्याम जायसवाल ने कड़े लहजे में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा, देश भूला नहीं है कि कैसे राहुल गांधी ने जेएनयू जाकर उस 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' का समर्थन किया जो जवानों की शहादत पर जश्न मनाते थे। दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं ने हमेशा नक्सलियों को 'भटके हुए मुसाफिर' बताकर उनका महिमामंडन किया। पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम और जयराम रमेश जैसे नेताओं ने 'ऑपरेशन ग्रीन हंट' के

समय सुरक्षा बलों के हाथ बाँधने का काम किया और नक्सलियों के मानवाधिकारों की चिंता की, जबकि हमारे जवानो के शहिद होने पर इनका मुंह सील जाता था। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार के दौरान भी यही 'नरम रुख' जारी रहा, जहाँ नक्सलियों को संवाद के नाम पर केवल समय और संरक्षण दिया गया। भूपेश बघेल ने हमेशा उन 'अर्बन नक्सलियों' को वैचारिक कवच प्रदान किया जो रायपुर और दिल्ली में बैठकर बस्तर को लहूलुहान करने की साजिश रचते थे।

शहीद महेंद्र कर्मा का अपमान और षड्यंत्र

जिला अध्यक्ष ने भावुक और आक्रोशित होते हुए कहा, बस्तर टाइगर स्व. महेंद्र कर्मा जी जैसे जननायक, जो सभी दलों के लिए आदर्श थे, उनका राष्ट्रवाद दिल्ली की कांग्रेस को कभी नहीं पचा। दिल्ली के इन्हीं नक्सल प्रेमी नेताओं ने कर्मा जी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया और उन्हें नक्सलियों के रहमों-करम पर छोड़ दिया। झीरम घाटी में शहीद महेंद्र कर्मा, शहीद विद्याचरण शुक्ल और शहीद नंदकुमार पटेल जैसे नेताओं की शहादत कांग्रेस की इसी 'दोगली नीति' और षड्यंत्र का परिणाम थी। जिस पार्टी ने अपने ही बलिदानियों का सम्मान नहीं किया, वह देश की रक्षा क्या करती?

मोदी-शाह का 'काल' और विकास का 'बुलडोजर'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की 'जीरो टॉलरेंस' नीति ने वह कर दिखाया जो कांग्रेस 60 साल में नहीं कर पाई। बस्तर में नक्सलियों के स्मारकों को बुलडोजर से जमींदोज करना यह दर्शाता है कि अब भारत की धरती पर देशद्रोहियों की पूजा नहीं होगी। पिछले 3 सालों में हजारों नक्सलियों का आत्मसमर्पण भाजपा की दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है।

विष्णुदेव साय सरकार का निर्णायक प्रहार

श्याम जायसवाल ने छत्तीसगढ़ सरकार की सराहना करते हुए कहा, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने नक्सलियों के खिलाफ जो 'आर-पार' की लड़ाई लड़ी, उसी का परिणाम है कि आज अबूझमाड़ जैसे दुर्गम इलाकों से भी नक्सलवाद का सफाया हो गया है। साय सरकार ने न केवल नक्सलियों को करारा जवाब दिया, बल्कि उनके द्वारा स्थापित आतंक के प्रतीकों और स्मारकों पर बुलडोजर चलाकर यह स्पष्ट कर दिया कि छत्तीसगढ़ में अब केवल कानून का राज चलेगा। प्रदेश के गृह मंत्री विजय शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में सुरक्षा बलों को जो खुली छूट मिली, उसने नक्सलियों के हौसले पस्त कर दिए।

पिछड़ा वर्ग की आवाज

अंत में श्याम जायसवाल ने कहा, बालोद जिला और पूरे छत्तीसगढ़ का पिछड़ा वर्ग समाज आज गौरवान्वित है। भूपेश बघेल और कांग्रेस ने हमें केवल डराकर रखा था, लेकिन भाजपा ने हमें आजादी दी है। कांग्रेस के नेता अब प्रदेश की जनता से माफी मांगें, क्योंकि उनकी खूनी राजनीति का अंत हो चुका है।

बेरला भाजपा मंडल ने हर्षोल्लास से मनाया 47 वां स्थापना दिवस

बेरला। भारतीय जनता पार्टी बेरला मंडल ने हर्षोल्लास और धूम धाम से 47 वा स्थापना दिवस मनाएगा, जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी 6 अप्रैल 1980 से लगातार जनसेवा, अंत्योदय, राष्ट्रवाद को लेकर लगातार कार्य कर रहा है जिसके कारण केंद्र में भाजपा की सरकार है जो लगातार जनसेवा का कार्य कर रहा है। प्रदेश मंत्री एवं बेरला मंडल प्रभारी संध्या परगनिया और मंडल अध्यक्ष डोमेन्द्र सिंह राजपूत के नेतृत्व में रेस्ट हाउस में कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गय,। जिसके बेरला नगर में रैली निकालकर अटल परिसर में भाजपा की पितृपुरुष भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। जिसके बाद रैली के माध्यम से गौठान चौक पहुंच कर

श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय का माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। पश्चात कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। स्थापना दिवस पर जनसंघ के समय से पार्टी में जुड़ कर सेवा करने वाले कार्यकर्ताओं का स्वागत किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से विष्णु प्रसाद परगनिया, मुननू राम साहू, कमल नारायण पांडे, मंशाराम निषाद, अमृत लाल माहेश्वरी, मोहन लाल सिन्हा, माधोराम सिन्हा, संतोष यादव और फेरहा राम जी जैसे पार्टी के मजबूत स्तंभ का सम्मान किया गया। मंडल अध्यक्ष डोमेन्द सिंह राजपूत ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता त्याग, तपस्या और बलिदान का प्रतीक है, जिसमें अनेकों बार लोकतंत्र को बचाने के लिए संघर्ष किया है। हमारे पितृपुरुष श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू कश्मीर को देश के एक सूत्र में पिरोने के लिए स्वतंत्र भारत में अपना बलिदान दिया। प्रदेश मंत्री संध्या परगनिया अंत्योदय के सिद्धांत को आत्मसात कर, सेवा ही संगठन के मंत्र पर अग्रसर रहने वाले करोड़ों कार्यकर्ताओं को भाजपा स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 47 साल से पार्टी लगातार जन सेवा का कार्य में लगा हुआ जो भारत की एकता और अखंडता के लिए लगातार लगा हुआ है। हमारे बीच हमारे कार्यकर्ता है जिनके संघर्ष के कारण ही भाजपा जनता के बीच लगातार कार्य कर रहा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से नगर पंचायत अध्यक्ष विशाल राज देशलहरा, अमृत लाल माहेश्वरी विधायक प्रतिनिधि, महामंत्री नारायण पटेल, रघुवीर सिन्हा अध्यक्ष सरपंच संघ, उपाध्याय यतीश द्विवेदी, कन्हैया वर्मा, विमला जगदीश कुर्रे, गंगाधर साहू, मंत्री कन्हैया सेन, सीमा वर्मा, मीडिया प्रभारी कमल साहू, विक्की ओग्रे, बलराम सिवारे, बलराम यादव, रमेश सिन्हा, किशन साहू, आशीष सोनी भाजयुमो प्रदेश कार्यकारणी सदस्य, युगल पाटिल, पार्षद शिव झड़ी सिन्हा, उमा नेताम, दीक्षांत साहू, दीक्षांत साहू, नितेश सोनी, पुरुषोत्तम यादव, उकेंद्र साहू, अरमान श्रीवास, धनेश्वरी साहू, भुनेश्वरी टंडन, खम्मन श्रीवास, राजू साहू, जगदीश कुर्रे, सिंपू परगनिहा, मोहित साहू, लेखराम साहू, सरजू साहू, नेहरूराम, नैनदास कुर्रे सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खाद विक्रय केंद्र में अनियमितता पर सख्त कार्रवाई, गोदाम सील

बेमेतरा। जिले में कृषि आदान सामग्रियों की सुचारू उपलब्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा सतत निगरानी एवं निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उप संचालक कृषि मोरध्वज डडसेना ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है तथा शिकायतों एवं त्वरित कार्रवाई के लिए कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। सहकारी समितियों एवं निजी खाद विक्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण कर स्टॉक की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। इसी अभियान के तहत 06 अप्रैल 2026 को सहायक संचालक कृषि डॉ. श्याम लाल साहू द्वारा विकासखंड बेमेतरा अंतर्गत ग्राम कुसमी स्थित मां शक्ति कृषि केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में उपलब्ध पीओएस मशीन में दर्ज खाद स्टॉक एवं भौतिक रूप से उपलब्ध खाद की मात्रा का मिलान किया गया, जिसमें दोनों के बीच स्पष्ट अंतर पाया गया। यह अनियमितता गंभीर प्रकृति की पाई गई, जिससे कृषि आदान वितरण प्रणाली की पारदर्शिता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा होता है। मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से संबंधित खाद गोदाम को सील कर दिया गया तथा विक्रय केंद्र की गतिविधियों को अस्थायी रूप से

प्रतिबंधित कर दिया गया है, ताकि आगे किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो सके। कृषि विभाग द्वारा इस प्रकरण की विस्तृत जांच प्रारंभ कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि जांच उपरांत दोषी पाए जाने पर संबंधित संचालक के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश एवं प्रचलित नियमों के तहत कठोर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा इस प्रकार की अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मोहड़ में होगा मंच निर्माण एवं बोरखनन कार्य जिपं सभापति प्रतिनिधि ने किया भूमिपूजन

डोंगरगांव नगर। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मोहड़ में विकास कार्यों को गति देते हुए जिला पंचायत सभापति जागृति यदु के प्रतिनिधि चुन्नी यदु के मुख्य आतिथ्य में मंच निर्माण एवं बोर खनन कार्य हेतु विधिवत भूमिपूजन किया गया। श्रीयदु ने कहा कि क्षेत्र में मंच निर्माण से सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, वहीं बोर खनन से पेयजल समस्या का स्थाई समाधान होगा। उक्त अवसर पर सरपंच भूषण देवांगन, अंकुश देवांगन उपसरपंच, ग्राम पटेल शंकर लाल देवांगन, ललित देवांगन, प्रेम बाई पंच, ललित चनापे पंच, ललिता ठाकुर, हेमंत देवांगन, श्याम लाल देवांगन, भैया लाल देवांगन, महेश चनापे, नेहरू देवांगन, हिमेंद्र देवांगन, रावे देवांगन, ग्राम पंचायत सचिव व रोजगार सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कार्यकर्ताओं के लगातार परिश्रम से भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल : चेमन देशमुख

भाजपा जिला कार्यालय में ध्वजारोहण कर मनाया गया भाजपा स्थापना दिवस,व गोष्ठी विचार का कार्यक्रम किया गया

बालोद। भारतीय जनता पार्टी ने अपने 47वें स्थापना दिवस के मौके पर विभिन्न कार्यक्रमों की शुरुआत की। 6 से 12 अप्रैल तक आयोजित इन कार्यक्रमों की कड़ी में जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख ने भाजपा कार्यालय में भाजपा के स्थापना दिवस पर ध्वजारोहण किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख, यज्ञदत्त शर्मा, पवनसाहू, विरेन्द्र साहू, राकेश छोटू यादव, जितेंद्र साहू ने भाजपा के पितृ पुरुषों के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलित, माल्यार्पण कर,नमन कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख ने शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि भाजपा की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी। भारतीय जनता पार्टी सिद्धांतो और आदर्शों पर आधारित राजनीतिक दल है। वह किसी परिवार, जाति वा वर्ग विशेष की पार्टी नहीं है। भाजपा कार्यकर्ताओं को जोड़ने वाला संगठन-सूत्र है। भारत के सांस्कृतिक मूल्य, हमारी निष्ठाएँ और भारत को परम वैभव के शिखर पर स्थापित करने का संकल्प और साथ ही यह आत्मविश्वास कि अपने पुरुषार्थ से हम इस लक्ष्य को अर्जित करेंगे।

छत्तीसगढ़ लगातार विकास की दिशा में बढ़ रहा आगे

लघु वनोपज संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष, राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त यज्ञदत्त शर्मा ने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है जो अपने कार्यकर्ताओं के लगातार कठोर परिश्रम एवं हमारे पितृ पुरुषों के त्याग से संभव हुआ है। पार्टी कार्यकर्ताओं को देवतुल्य बताते हुए यज्ञदत्त शर्मा ने कहा कि उनके समर्पण और नेतृत्व के कारण ही पार्टी आज देश की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बनी है और छत्तीसगढ़ लगातार विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पूर्व जिला अध्यक्ष पवन साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारा देश निरंतर प्रगति और विकास की नई ऊँचाइयों को छू रहा है। छत्तीसगढ़ में भाजपा की डबल इंजन की सरकार नक्सलवाद के समापन के साथ ही विकास की गति और तीव्र करेगी। विकसित छत्तीसगढ़ की शुरुआत हो चुकी है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' ही भारतीय जनता पार्टी का मूल मंत्र है, जिसके लिए पार्टी निरंतर प्रतिबद्ध है। पूर्व विधायक वीरेंद्र साहू ने कहा कि भाजपा का स्थापना दिवस न केवल पार्टी के गौरवशाली इतिहास को याद करने का दिन है, बल्कि राष्ट्र सेवा के प्रति पुनः समर्पित होने का संकल्प दिवस भी है। आज के दिन भाजपा कार्यकर्ता देशभर में सेवा और समर्पण के कार्यक्रमों का आयोजन कर आमजन की सेवा में जुटे हैं।

भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक दल

जिला महामंत्री राकेश छोटू यादव ने कहा यह दिन केवल एक संगठन की स्थापना नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा, समर्पण और विचारधारा की महान यात्रा का प्रतीक है। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को राष्ट्रवाद, सुशासन और अंत्योदय के सिद्धांतों पर हुई। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास केवल नारा नहीं, बल्कि देश को आगे बढ़ाने का संकल्प है। मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास के नए आयाम छुए हैं और आज विश्व में एक सशक्त, आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। भाजपा सत्ता नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार और समर्पण का संगठन है। जहाँ हर कार्यकर्ता ही सबसे बड़ी ताकत है। जिला प्रवक्ता जितेंद्र साहू ने कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता कठोर परिश्रमी, निष्ठावान होता है। कार्यकर्ताओं के परिश्रम से भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनी है। पवन सोनबरसा,टिकेश्वर बघेल,हरीश कटझरे, मिथ्ला योगी, प्रेम साहू, अकबर तिगाला, गुलशन साहू, रोहित साहू, ने भी स्थापना दिवस पर अपने विचार व्यक्त किए। गुंडरदेही मंडल अध्यक्ष अरुण साहू ने इस कार्यक्रम में आए सभी ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस गोष्ठी विचार कार्यक्रम, विनोद जैन, कमल पनपालिया, नरेन्द्र साहू, संतोष कौशिक, दुर्जन साहू, रविन्द्र टेम्भुरिया, भुवनेश्वरी चंद्राकर, संतोष चंद्राकर, कल्याण सोनवानी, पंकज चौधरी, अभिषा यादव, फिरोज कुरैशी, टिकम यादव, रेवा राम सिन्हा, दिनेश मेश्राम उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

तलवार लहराकर दहशत फैलाने वाले बदमाश चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर। मुंगेली के नंदी चौक में उस वक्त हड़कंप मच गया जब मल्हापारा क्षेत्र के शंकर मंदिर के पास दो युवक हाथों में तलवार लहराते हुए आम लोगों को डराने-धमकाने लगे, माहौल अचानक भय में बदल गया, राहगीर सहम गए और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन यह दहशत ज्यादा देर टिक नहीं पाई क्योंकि 04 अप्रैल 2026 को मुखबिर से मिली पुख्ता सूचना पर सिटी कोतवाली मुंगेली पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुंगेली भोजराम पटेल के सख्त निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री नवनीत कौर छाबड़ा व उप पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह के मार्गदर्शन में टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को रंगे हाथों दबोच लिया, पकड़े गए आरोपियों की पहचान सुनील जायसवाल पिता गणेश जायसवाल उम्र 28 वर्ष निवासी शंकर वार्ड मुंगेली और आनंद यादव उर्फ भुरवा पिता हेमकुमार यादव उम्र 25 वर्ष निवासी राजेंद्र वार्ड पटवापारा मुंगेली के रूप में हुई, दोनों थाना सिटी कोतवाली क्षेत्र के आदतन बदमाश निकले जो खुलेआम हथियार के दम पर लोगों में डर फैलाने की कोशिश कर रहे थे, पुलिस ने मौके पर गवाहों के सामने दोनों के कब्जे से एक-एक लोहे की तलवार बरामद कर जप्त की और तत्काल हिरासत में लिया, जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी अवैध रूप से हथियार लेकर सार्वजनिक स्थान पर दहशत फैलाने का प्रयास कर रहे थे, जिसके बाद थाना सिटी कोतवाली मुंगेली में अपराध क्रमांक 124/26 के तहत धारा 25 और 27 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर विधिवत कार्रवाई की गई और 05 अप्रैल 2026 को दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया, इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक कार्तिकेश्वर जांगड़े और उनकी टीम की तेज और सटीक कार्रवाई ने संभावित बड़े खतरे को टाल दिया, मुंगेली पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत दें और भरोसा दिलाया है कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

जग्गी हत्याकांड : 20 अप्रैल को आएगा अमित जोगी की उम्रकैद की सजा पर अंतिम फैसला

रायपुर। प्रदेश के बहुचर्चित रामअवतार जग्गी हत्याकांड में हाइकोर्ट द्वारा अमित जोगी को दोषी ठहराए जाने और उम्रकैद की सजा सुनाये जाने के बाद फैसले के खिलाफ अमित जोगी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में 20 अप्रैल को सुनवाई करेगा। अब पूरे मामले में अंतिम फैसला सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर टिका हुआ है। वहीं रामअवतार जग्गी के पुत्र सतीश जग्गी ने दोषी को फांसी देने की मांग करने की बात कही है। बात दे कि छत्तीसगढ़ बहुचर्चित राम अवतार जग्गी हत्याकांड में 23 साल बाद बड़ा न्यायिक फैसला सामने आया है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने अपने 78 पन्नों के फैसले में स्पष्ट किया कि अमित जोगी इस हत्याकांड की साजिश का हिस्सा थे। कोर्ट ने उन्हें आजीवन कारावास के साथ 1,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं देने पर 6 महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब अन्य आरोपी दोषी पाए गए, तो अमित जोगी को बिना ठोस कारण के बरी नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने अमित जोगी को सरेंडर करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया है, जिसकी अंतिम तारीख 23 अप्रैल तय की गई है। फैसले के बाद मृतक राम अवतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने भावुक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह न्यायपालिका की जीत है और उनके परिवार ने लंबे समय तक संघर्ष किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान परिवार को कई बार धमकाया गया और सामाजिक दबाव झेलना पड़ा। सतीश जग्गी ने आगे कहा कि वे दोषी को फांसी की सजा दिलाने की मांग करेंगे।

एनएसयूआई ने फूंका आंदोलन का शंखनाद

रायपुर। प्रदेश एनएसयूआई अध्यक्ष नीरज पाण्डेय जी के आह्वान पर आज पूरे प्रदेश के विश्वविद्यालयों का घेराव किया गया। इसी कड़ी में धमतरी एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ का जोरदार घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी झड़प भी हुई, जिसके बाद एनएसयूआई ने राज्यपाल के नाम कुलपति को ज्ञापन सौंपकर छात्र संघ चुनाव तत्काल बहाल करने की मांग की। घेराव को संबोधित करते हुए राजा देवांगन ने कहा, प्रदेश की भाजपा सरकार युवाओं की आवाज से डर गई है। पिछले कई वर्षों से छात्र संघ चुनाव न कराकर छात्रों के संवैधानिक अधिकारों का गला घोटा जा रहा है। जब तक कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्र राजनीति की नर्सरी बहाल नहीं होती, एनएसयूआई का यह आंदोलन रुकने वाला नहीं है। आज यह सिर्फ एक घेराव है, अगर सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया तो आने वाले समय में उग्र आंदोलन और तालाबंदी की जाएगी। राजा देवांगन ने आगे कहा कि छात्र संघ प्रतिनिधि न होने के कारण छात्र-छात्राओं की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। फीस वृद्धि और बुनियादी सुविधाओं के अभाव में छात्र पिस रहे हैं। ज्ञापन में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि चुनाव की तारीखों का ऐलान जल्द नहीं हुआ, तो राजभवन तक की लड़ाई लड़ी जाएगी। इस प्रदर्शन में धमतरी जिले से प्रमुख रूप से प्रभात साहू, शुभम साहू, संजू साहू, उमेश साहू, गजेंद्र साहू सुदीप सिन्हा, चितेंद्र साहू, जय श्रीवास्तव नमन बंजारे, हेमंत यादव, भावेश चंदनिया, विप्लव राव, आयुष गुप्ता, गब्बर, हार्दिक सहित सैकड़ो छात्र नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे।

विशाखापट्टनम-रायपुर पैसेंजर 6 दिन रद्द, यात्रियों की बढ़ेगी मुश्किल

रायपुर। अप्रैल महीने में रेल यात्रियों को बड़ा झटका लगने वाला है, क्योंकि ईस्ट कोस्ट रेलवे के संबलपुर मंडल में चल रहे बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर काम के चलते विशाखापट्टनम-रायपुर पैसेंजर ट्रेन 6 दिनों तक पूरी तरह रद्द रहेगी, यह फैसला मुनिगुड़ा-भीष्मकट्टक सेक्शन में आरसीसी सेगमेंट बॉक्स प्लेसमेंट और आरवी -230 रिलॉविंग गर्डर के लॉन्चिंग व डी-लॉन्चिंग जैसे अहम तकनीकी कार्यों के कारण लिया गया है, रेलवे द्वारा इस दौरान ट्रैफिक कम पावर ब्लॉक लिया जाएगा ताकि काम सुरक्षित और तेजी से पूरा हो सके, इसी वजह से ट्रेन संख्या 58528 विशाखापट्टनम-रायपुर पैसेंजर और ट्रेन संख्या 58527 रायपुर-विशाखापट्टनम पैसेंजर 09, 11, 13, 20, 23 और 25 अप्रैल 2026 को रद्द रहेंगी।

छत्तीसगढ़ सशस्त्र नक्सलवाद से मुक्ति पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का हुआ भव्य ऐतिहासिक अभिनंदन

सुरक्षा बलों के साहस और बस्तरवासियों के विश्वास की जीत-शर्मा

- आज बस्तर के गांवों में लोग अपने आंगन में खुलकर हंस रहे हैं, अब वहां डर नहीं, विकास की बातें हो रही हैं -शर्मा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ सहित देश के लिए ऐतिहासिक क्षण तब आया जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च को सदन में शस्त्र नक्सलवाद की समाप्ति की घोषणा की। लगभग चार दशकों से इस समस्या से जूझ रहे छत्तीसगढ़ ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा के दृढ़ संकल्प, रणनीति और सतत प्रयासों से यह बड़ी सफलता हासिल की। इस अभियान में भारतीय सेना, पुलिस और समस्त सशस्त्र बलों के जवानों के अदम्य साहस, समाज की जागरूक भागीदारी, राजनीतिक नेतृत्व की इच्छाशक्ति, पत्रकार बंधुओं की भूमिका और सबसे बढ़कर बस्तर के नागरिकों के सहयोग का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी के समुचित प्रयासों से ही सशस्त्र नक्सलवाद का अंत संभव हो सका और अब बस्तर में खुशहाली की नई शुरुआत हो रही है। सशस्त्र नक्सलवाद से मुक्त छत्तीसगढ़ बनने के बाद उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र कवर्धा पहली बार पहुंचे। जहां पर स्थानीय महामाया चौक में कवर्धा के लोगों ने उनके लिए भव्य ऐतिहासिक नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया। जिसमें हजारों की संख्या में लोग बाजा-गाजा, ढोल-नगाड़ों के साथ शामिल हुए, पूरे शहर में जश्न का वातावरण नजर आया। सभी को गर्व था कि कभी नक्सल प्रभावित कबीरधाम जिले के साथ अब पूरे छत्तीसगढ़ से भय और आतंक को दूर करने में उनके अपने माटी पुत्र का बड़ा योगदान

रहा है। इस कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज, यादव समाज, ठाकुर समाज, कुर्मी समाज, साहू समाज, सतनामी समाज, निर्मलकर समाज, गुप्ता समाज, अहिरवार समाज, लोधी समाज, पटेल समाज, गोंड समाज, केसरवानी गुप्ता समाज, सेन समाज, गंधर्व समाज, स्वर्णकार समाज, जैन समाज, वैष्णव समाज सहित सभी समाजों ने भव्य रैली का स्वागत कर इस असंभव से लगने वाले लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। जहां स्थानीय जिला प्रेस क्लब, यूथ क्लब, हरीतिमा परिवार, प्राइवेट स्कूल संघ, नाथ योगी समाज, फाइटर क्लब, जिला क्रिकेट संघ, ज्वाइन हैंड ग्रुप, ट्रक मालिक संघ, पतंजलि योग समिति, सीनियर सिटीजन समिति एवं भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भी शामिल होकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर सभी ने गृह मंत्री श्री विजय शर्मा को लड्डुओं से तौलकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने गायत्री मंदिर और गुरुद्वारे में जाकर प्रदेश की शांति और समृद्धि की प्रार्थना की और लोगों के साथ भारतमाता चौक पर नक्सल अभियान में शहीद हुए अमर जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी के प्रेम से अभिभूत हूँ। मुझे नहीं पता था कि आप सब नक्सल समस्या को इतनी गंभीरता से समझते हैं। यह वास्तव में अत्यंत संवेदनशील विषय रहा है, और जो लोग इससे पीड़ित रहे हैं, उनकी पीड़ा को शब्दों में समझा भी नहीं जा सकता। माओवाद एक आयातित विचार है, जिसका उद्देश्य केवल बंदूक की नली से सत्ता स्थापित करना रहा है, जबकि भारत का लोकतंत्र प्राचीन काल से ही सशक्त रहा है, जिसकी झलक आज भी बस्तर के समाज में दिखाई देती है।उन्होंने नक्सल हिंसा की भयावहता का उल्लेख करते हुए कहा कि भोले-भाले लोगों को बहलाकर उनके हाथों में बंदूक थमा दी गई। स्कूल, सड़क और तालाबों के किनारे बारूद बिछाए गए।

छत्तीसगढ़ में भाजपा साय सरकार में महंगाई बेलगाम, रोजगार खत्म हो गया- सुरेंद्र वर्मा

रायपुर। संवाददाता

बेलगाम हो चुकी महंगाई को भाजपा सरकार निर्मित त्रासदी करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि एक तरफ बेरोजगारी दूसरी ओर बेतहाशा बढ़ती महंगाई की मार से जनता दोनों ओर से पिस रही है। आर्थिक मोर्चे पर यह सरकार पूरी तरह से असफल हो चुकी है। इस सरकार ने देश के 81 करोड़ जनता को यह सरकार गरीब बनकर केवल 5 किलो राशन की लाइन में खड़ा कर दिया है। भुखमरी इंडेक्स में लगातार पिछड़ते जा रहे हैं, असमानता और गरीबी तेजी से बढ़ रही है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि आम आदमी की घरेलू बचत ऐतिहासिक तौर पर न्यूनतम स्तर पर आ गई है। खाद्य तेल को 70 रुपए प्रति लीटर तक पहुंचने में 70 साल लग गए थे, लेकिन मोदी राज के चंद दिनों में ही 170 पार हो गया। घरेलू गैस सिलेंडर जो भाजपाइयों को 400 रुपए में महंगा लगाता था, उसे 980 तक पहुंचा दिए। भाजपा सरकारों को जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मोदी सरकार ने एक बार फिर कमर्शियल गैस के दाम में 195 रू. की बढ़ोतरी कर दिया। इसके पहले तीन महीने में कमर्शियल गैस के दाम में 525 रू. की बढ़ोतरी हुई थी, पिछले हफ्ते ही मोदी सरकार ने घरेलू गैस के दाम में 62 रू की बढ़ोतरी कर दिया। सरकार ने खूब वाहवाही लिया कि

पेट्रोल, डीजल पर एक्साइज कम कर दिया लेकिन आज ही पेट्रोल के दाम में 1 रू. से 2 रू. की बढ़ोतरी अलग-अलग राज्यों में हुई है। नायरा के पेट्रोल पंप में तो यह बढ़ोतरी 4 रू. की है।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में आम आदमी का जीवन स्तर दिनों दिन खराब हुआ है, सारी राहत और रियायत केवल भाजपाइयों के पूंजीपति मित्रों के लिए है, देश के संसाधन, सार्वजनिक उपक्रम उन्हीं पर लुटाए जा रहे हैं, आम जनता इस महंगाई में परिवार पालने के लिए संघर्ष कर रहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि महंगाई आम जनता के लिए भाजपा निर्मित आपदा बन चुकी है, रेलवे की टिकट से लेकर स्कूल, कॉलेजों की फीस तक सब कुछ कई गुना बढ़ चुका है। सरकार के संरक्षण में तरह तरह के सेवा शुल्क लगाकर बैंक, आम खातेधारकों को खुलेआम लूट रही है। पेट्रोल, डीजल से लेकर दैनिक उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि ने आम जनता का बजट बिगाड़ दिया है।

आयुष्मान भारत और महारानी अस्पताल से कैंसर मरीजों को मिली नई उम्मीद

रायपुर/ संवाददाता

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी आज भी चिकित्सा जगत के सामने एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, जो मरीजों को शारीरिक के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी प्रभावित करती है। ऐसे कठिन समय में आयुष्मान भारत योजना और जगदलपुर स्थित महारानी अस्पताल कैंसर पीड़ितों के लिए एक मजबूत सहारा बनकर उभरे हैं। यहां इलाज करा रहे कई मरीजों की कहानियां इस बात की गवाही दे रही हैं कि अब सीमित संसाधनों के बावजूद बेहतर उपचार संभव हो पा रहा है। जगदलपुर की निवासी अनौता महावर, जो एक छोटी किराना दुकान संचालित करती हैं, कैंसर के उन्नत (चौथे) चरण से जूझ रही हैं। प्रारंभिक उपचार के लिए उन्होंने हैदराबाद में इलाज कराया, जहां सर्जरी और अन्य प्रक्रियाओं में लगभग 20 से 25 लाख रुपये तक खर्च हो गए। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बाद आयुष्मान कार्ड उनके लिए जीवनरेखा साबित हुआ। पिछले दो वर्षों से वे महारानी अस्पताल में उपचार ले रही हैं, जहां उन्हें निःशुल्क दवाइयों और चिकित्सकों की सतत निगरानी का लाभ मिल रहा है। वे बताती हैं कि यहां मिल रहे सहयोग ने उन्हें मानसिक रूप से भी मजबूत किया है और अब वे सकारात्मक सोच के साथ बीमारी का सामना कर रही हैं। इसी अस्पताल में एक ऑटो चालक की पत्नी गौरी मिश्रा का उपचार भी जारी है। सीमित आय वाले परिवार के लिए निजी अस्पतालों का खर्च वहन करना संभव नहीं था, लेकिन सरकारी अस्पताल की सुलभ और निःशुल्क सेवाओं ने उन्हें उपचार का भरोसा दिया है। वहीं अस्पताल में कार्यरत नर्सिंग मेट्रन लक्ष्मी टॉडिया भी ओवरी कैंसर से जूझ रही हैं। उन्होंने लगभग दो वर्षों तक बाहर उपचार कराया, जिसमें अत्यधिक खर्च आया। वर्तमान में वे पिछले डेढ़ माह से आयुष्मान भारत योजना के तहत महारानी अस्पताल में उपचाररत हैं, जहां उन्हें महंगी दवाइयां भी निःशुल्क उपलब्ध हो रही हैं। मरीजों के अनुभव बताते हैं कि आयुष्मान भारत योजना ने गरीब और मध्यम वर्ग के लिए इलाज की राह आसान कर दी है। अब लोगों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन करने की मजबूरी कम हुई है। महारानी अस्पताल की सुदृढ़ व्यवस्थाएं और समर्पित चिकित्सा सेवाएं न केवल उपचार प्रदान कर रही हैं, बल्कि मरीजों में नई उम्मीद और विश्वास भी जगा रही हैं। आज महारानी अस्पताल केवल एक उपचार केंद्र नहीं।

डीजल में उद्योगों से 17, आम जनता से 23 प्रतिशत वसूल रही भाजपा.....

रायपुर। संवाददाता

भाजपा सरकार पर उद्योगपतियों से डीजल में 17 प्रतिशत एवं आम जनता से 23 प्रतिशत वेट टैक्स वसूलने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार ने उद्योगों से 17 प्रतिशत एवं आम जनता से 23 प्रतिशत वेट एवं 1 रू. अतिरिक्त डीजल में वसूल रही है। भाजपा के कुशासन के कारण हर वर्ग पीड़ित है। सभी वर्गों को राहत देने वेट में और कटौती करना चाहिए। आखिर डबल इंजन की सरकार सिर्फ पूंजीपतियों को राहत देने के लिए क्यों काम कर रही है? केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम कंपनियों के फायदा के

लिए पेट्रोल में 3 प्रतिशत एवं डीजल 10 प्रतिशत एक्साइज ड्यूटी में कटौती किया लेकिन उसका लाभ उद्योगों एवं आम जनता को नहीं मिल रहा है। एक्साइज ड्यूटी कटौती के बाद आम जनता को पेट्रोल खरीदने में राहत की जो उम्मीद थी वो तो मिला नहीं, बल्कि राज्य में पेट्रोल 1 रू. 15 पैसे और महंगा हो गया। भाजपा सरकार आखिर सभी वर्गों के हित में फैसला क्यों नहीं करती है? जिससे महंगाई से पीड़ित उद्योग, किसान, ट्रांसपोर्टर, बस ऑपरेटर और होटल, रेस्टोरेंट में डीजल भट्टी चलाने वाले को राहत मिल सके।प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा की सरकार के गलत नीतियों के चलते हर वर्ग पीड़ित और प्रताड़ित है। महंगाई की मार, उद्योग, व्यवसाय में मंदी, बल्कि बेरोजगारी से हर वर्ग पीड़ित है, ऐसे में सरकार को सर्वहारा वर्ग की चिंता करनी चाहिए। राहत देने उपाय करना चाहिए। प्रदेश में कमर्शियल गैस की कमी, डीजल की महंगाई से कारोबार ठप्प हो गया है। उद्योगों में उत्पादन 50 प्रतिशत गिरा है।

गांजा सहित दो युवकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, बाइक भी जब्त

रायपुर। अवैध गांजा बिक्री करने के लिए परिवहन करने करने वाले दो आरोपी को गिरफ्तार करने में बस्तर पुलिस को सफलता मिली है। मुखबीर से सूचना मिला कि दो 20-25 साल का व्यक्ति होंडा शाइन मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 17 के डब्लू 0342 में उड़ीसा से जगदलपुर आने के लिए निकले हैं जो अपने संयुक्त कब्जे में एक लाल रंग का बैग रखे हैं। जिसके अंदर अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा रखकर बिक्री करने के लिए मोटरसाइकिल में सवार होकर जगदलपुर आ रहे हैं। सूचना पर एसपी शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश में एएसपी माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बोधघाट टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में स्टाफ के साथ टीम बनाकर सूचना की तस्दीकी।

छत्तीसगढ़ बनेगा मखाना हब

कृषिमंत्री रामविचार नेताम ने लिंगाडीह में मखाना सेंटर का किया अवलोकन

- रायपुर, धमतरी, गरियाबंद और बालोद जिले के मखाना उत्पादन क्षेत्रों का बनेगा सर्किट
- फसल परिवर्तन, कृषि विस्तार एवं आधुनिक कृषि पर जोर

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ मखाना हब बनेगा। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम आज रायपुर जिले अंतर्गत आरंग के लिंगाडीह में मखाना सेंटर का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि रायपुर, धमतरी, गरियाबंद और बालोद क्षेत्र सहित प्रदेश में मखाना की खेती की संभावना अत्यधिक है। उन्होंने मखाना उत्पादन क्षेत्रों व जिलों को सर्किट के रूप में विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने मखाना खेती के विस्तार की संभावनाओं की जानकारी ली और कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को मखाना हब के रूप में विकसित किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंत्री को जानकारी दी कि आरंग क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में लगभग 50 से 60 हेक्टेयर क्षेत्र में मखाना की खेती की जा रही है, जहां ग्रेड-6 गुणवत्ता का मखाना उत्पादन हो रहा है। इसकी बाजार में अच्छी मांग होने से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। मंत्री श्री नेताम ने बताया कि मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रायपुर, धमतरी, गरियाबंद एवं बालोद जिलों को जोड़ते हुए मखाना सर्किट के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके माध्यम से उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण एवं विपणन की समेकित व्यवस्था तैयार की जाएगी, जिससे किसानों को बेहतर बाजार और उचित मूल्य मिल सके। दौरे के दौरान मंत्री ने मखाना सेंटर में तैयार उत्पादों का अवलोकन किया तथा स्वयं मखाना चखकर उसकी गुणवत्ता की सराहना की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वैज्ञानिक पद्धति से खेती, प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा आधुनिक प्रसंस्करण इकाइयों के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जाए। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कृषि विविधीकरण, प्राकृतिक खेती, खाद्य प्रसंस्करण एवं मिलेट्स और पारंपरिक फसलों को बढ़ावा देने हेतु संचालित योजनाओं का लाभ छत्तीसगढ़ के किसानों तक पहुंचाया जा रहा है। मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर गठित मखाना बोर्ड की योजनाओं से राज्य के किसानों को जोड़ते हुए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण एवं विपणन सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य एवं केंद्र सरकार के समन्वित प्रयासों से मखाना किसानों के लिए आय का नया विकल्प बनेगी और छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख मखाना उत्पादक राज्यों में शामिल होगा। कृषि मंत्री श्री नेताम ने आज रायपुर जिले के खरोरा क्षेत्र अंतर्गत मधेपुरा एवं बुढ़ेरा ग्राम के दौरे पर भी पहुंचे। उन्होंने कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों का अवलोकन कर आधुनिक तकनीकों के उपयोग से उत्पादन एवं किसानों की आय बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को नवाचार आधारित कृषि मॉडल को गांव-गांव तक पहुंचाने के निर्देश दिए। मंत्री ने टिशू कल्चर लैब का अवलोकन कर केला, सागौन, बांस एवं अन्य पौधों के ऊतक उत्पादन की प्रक्रिया की जानकारी ली। साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य बीज विकास निगम के कॉमन फैसिलिटी सेंटर में पशु आहार, पोल्ट्री फीड, मत्स्य आहार एवं मिलेट्स आधारित उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने मूल्य संवर्धन एवं कृषि आधारित उद्योगों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि मखाना उत्पादन में प्रसंस्करण की महत्वपूर्ण भूमिका है। कच्चे बीज के बजाय प्रोसेस कर तैयार मखाना बेचने से किसानों को अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है। एक किलोग्राम बीज से 200 से 250 ग्राम पॉप तैयार होता है।

संपादकीय

छोटे शहरों में वायु प्रदूषण का बढ़ता खतरा, बढ़ी चिंता

वायु प्रदूषण केवल महानगरों और बड़े शहरों की समस्या नहीं है, छोटे शहर भी इससे प्रभावित हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से यह दावा किया जाता है कि प्रदूषण को कम करने के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। देश भर में वायु गुणवत्ता का पता लगाने के लिए निगरानी केंद्र बनाए जाने की बात कही जाती है, मगर हकीकत यह है कि देश के करीब चालीस फीसद जिलों में अब तक निगरानी केंद्र स्थापित नहीं हो पाए हैंऐसे में जब यह पता ही नहीं चल पाएगा कि हवा में प्रदूषण का स्तर कितना है, तो उसे कम करने के प्रयास भी सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहेंगे। वैश्विक कंपनी 'एअरवाइस' की ओर से बीते मंगलवार को जारी एक अध्ययन रपट में बताया गया है कि कई शहरों और कस्बों में लोगों को अपने आसपास फैल रहे प्रदूषण के बारे में वास्तविक जानकारी ही नहीं मिल पाती है, जिस कारण उनके स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ रहा है।गौरतलब है कि मुंबई, दिल्ली और बंगलुरु जैसे बड़े शहरों में तो वायु प्रदूषण पर कड़ी निगरानी रखी जाती है, लेकिन इस मामले में छोटे शहरों और कस्बों की आज भी अनदेखी की जा रही है। निगरानी केंद्र होने का एक फायदा यह है कि इससे आम लोगों को हवा में प्रदूषक तत्त्वों के स्तर की सटीक जानकारी नियमित रूप से मिलती रहती है। ऐसे में सरकार और स्थानीय प्रशासन की ओर से उठाए जाने वाले कदमों के साथ-साथ लोग खुद भी सतर्क रहते हैं और मास्क लगाने तथा जरूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकलने जैसे उपायों को प्राथमिकता देते हैंमगर जब लोगों को इसकी सही जानकारी ही नहीं मिलेगी, तो वे इस तरह की सावधानी कैसे बरतेंगे। यह बात भी सामने आई है कि कुछ जिलों में निगरानी केंद्र तो हैं, लेकिन वे सही तरीके से काम नहीं कर रहे हैं। सरकार को चाहिए कि देश के तमाम शहरों में वायु गुणवत्ता को मापने के लिए माकूल तकनीकों व्यवस्था की जाए और निगरानी केंद्रों के उचित रख-रखाव के लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

माओवाद का खात्मा और साय सरकार की पुनर्वास नीति

कभी देश के एक तिहाई हिस्से पर अपनी समानांतर सरकार चलाने वाली माओवादी विचारधारा का क्या आज अंत हो जाएगा? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो चुका है, क्योंकि नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली केंद्रीय सरकार ने आज ही के दिन को माओवादी आतंकवाद का आखिरी दिन घोषित कर रखा है। ठीक एक हफ्ते पहले यानी 25 मार्च को बस्तर के मुख्यालय जगदलपुर में शीर्ष माओवादी नेता पापा राव के नेतृत्व में 18 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, तब कहा गया कि राव आखिरी महत्वपूर्ण नक्सली कमांडर हैं और उन्होंने भी हथियार सौंप दिए हैं।

(उमेश चतुर्वेदी)

कभी देश के एक तिहाई हिस्से पर अपनी समानांतर सरकार चलाने वाली माओवादी विचारधारा का क्या आज अंत हो जाएगा? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो चुका है, क्योंकि नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली केंद्रीय सरकार ने आज ही के दिन को माओवादी आतंकवाद का आखिरी दिन घोषित कर रखा है। ठीक एक हफ्ते पहले यानी 25 मार्च को बस्तर के मुख्यालय जगदलपुर में शीर्ष माओवादी नेता पापा राव के नेतृत्व में 18 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, तब कहा गया कि राव आखिरी महत्वपूर्ण नक्सली कमांडर हैं और उन्होंने भी हथियार सौंप दिए हैं।

2014 के आम चुनावों में बीजेपी ने अपने घोषणा पत्र में माओवाद पर लगाम का वादा किया था। तब झीरम घाटी कांड की याद ताजा थी, छत्तीसगढ़ कांग्रेस का तकरीबन समूचे शीर्ष नेतृत्व को माओवादियों ने घेरकर मार डाला था। वैसे खुद नक्सली भी मानते रहे हैं कि उनके लिए कांग्रेस और बीजेपी सरकारों में खास अंतर नहीं रहा। अलबत्ता कांग्रेस सरकार माओवादी हिंसा के खिलाफ सख्त कदम उठाने से बचती रही है, जिस तरह बीजेपी की अगुआई वाली सरकारें उठाती रही हैं। बस्तर में छह अप्रैल 2010 को बारूदी सुरंगों के जरिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 76 जवानों को उड़ाने के बाद नक्सलियों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी गुस्सा था। तत्कालीन मनमोहन सरकार ने माओवादियों के खिलाफ सैनिक कार्रवाई का मन बना लिया था, लेकिन सिविल सोसायटी के दबाव में यह विचार उसे छोड़ना पड़ा। लेकिन बीजेपी ने माओवादियों को कोई रियायत नहीं दी। 2019 में गृहमंत्रालय की कमान संभालने के बाद अमित शाह ने खुलेआम नक्सलियों को चेतावनी देनी शुरू कर दी कि या तो वे हथियार डालें या फिर गोली खाने के लिए तैयार रहें। इसके साथ ही उन्होंने 31 मार्च 2026 तक माओवादी हिंसा से देश को मुक्त करने का ऐलान कर दिया।

जिस तरह शीर्ष नक्सली कमांडर या तो मारे गए हैं या फिर उन्होंने हथियार डाले हैं, उससे लगता है कि बीजेपी सरकार का अपना वादा पूरा करने जा रही है। माओवादी विचारधारा के प्रभाव में घर-परिवार, सुख-चैन छोड़कर जंगलों की खाक छानने और सत्ता से जूझने वाले माओवादी युवाओं को मुख्यधारा में लाने में सिर्फ केंद्रीय सुरक्षा बलों की गोलियों का दबाव ही काम नहीं आया, बल्कि इसमें राज्यों की पुनर्वास योजनाओं का भी बड़ा योगदान रहा है।

छत्तीसगढ़ ने 2025-26 की अपनी पुनर्वास नीति में हिंसा छोड़ने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कई कदम उठाए, जिनमें उसका 'पुना मारगेम' अभियान प्रमुख रहा। इन शब्दों का अर्थ है 'नया रास्ता'। इसके तहत दंडकारण्य क्षेत्र के सैकड़ों माओवादी कैडरों को मुख्यधारा में वापस लाने की सफल कोशिश हुई। इसके तहत नक्सलियों की वापसी के बाद उन्हें नई जिंदगी शुरू करने के लिए तत्काल डेढ़ लाख रूपए तक की आर्थिक सहायता दी गई, साथ ही उन्हें तीन साल के लिए मासिक वजीफा और व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाना शुरू हुआ। मकसद यह रहा कि हथियार छोड़ने के बाद मुख्यधारा में लौटे माओवादी आत्मनिर्भर जिंदगी बिता सकें। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने हथियार सौंपने वाले माओवादियों को अलग से प्रोत्साहन राशि देने की भी व्यवस्था की। इससे राज्य में माओवादियों के समर्पण में तेजी आई। हथियार छोड़ने वाले माओवादियों के बच्चों की शिक्षा का इंतजाम किया गया, इसके साथ ही उन्हें सुरक्षित आवास भी मुहैया कराए गए। इसके साथ ही उन्हें वापसी के बाद भयमुक्त जीवन गुजारने के लिए परिवार की सुरक्षा की गारंटी भी दी गई।

इसी तरह झारखंड सरकार ने भी माओवादियों को समर्पण के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 'आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति' बनाई। जिसके तहत समर्पण के बाद माओवादियों को आर्थिक सहायता दी जाती है। उनके कौशल विकास के कार्यक्रम चलाए जाते हैं और उन्हें रोजगार के साथ ही आवास की व्यवस्था की जाती है। साथ ही उन्हें और उनके परिवार को सुरक्षा की गारंटी दी जाती है। झारखंड की इस नीति का उद्देश्य समर्पित नक्सलियों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आत्मनिर्भर बनाना है। इसके तहत हथियार जमा करने पर पूर्व नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि, उन्हें तत्काल पुनर्वास अनुदान और घरेलू सामान के लिए नकद सहायता दी जाती है। साथ ही उनको कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि वे भविष्य में अपना रोजगार कर सकें। इसके साथ ही उनके बच्चों को मुफ्त शिक्षा व छात्रवृत्ति की सुविधा भी दी जाती है। उन्हें आवास के लिए भूमि या प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर भी दिए जाते हैं। इसी तरह मुख्यधारा में लौटे नक्सलियों को खेती के लिए प्राथमिकता के आधार पर सोलर पंप और बिजली कनेक्शन भी देने का इंतजाम है। पूर्व नक्सलियों पर चल रहे छोटे मामलों को झारखंड सरकार जहां वापस ले रही है, वहीं गंभीर मामलों में कानूनी सहायता मुहैया करा रही है। कुछ ऐसे ही इंतजाम पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में किए गए हैं।

कभी माओवादियों के डर से बस्तर में सड़कें तक बनाना संभव नहीं था, बिजली पहुंचाना भी कठिन था। झारखंड के भी दूरदराज के इलाके में ऐसा ही हाल था। लेकिन केंद्र सरकार की शह पर राज्य सरकार ने नक्सली हिंसा प्रभावित क्षेत्र में भी सड़क, स्कूल और अस्पतालों का निर्माण कराने में तेजी आई। बस्तर के कुछ इलाके में रेलवे लाइन भी पहुंच गई है। नक्सली इलाके में सड़कें भी बेहतर हो गई हैं। इन कदमों से माओवादी प्रभाव में रहने वाले इलाकों में भरोसा बहाली में मदद मिली। सरकारी योजनाओं के साथ ही सरकार के प्रति भी स्थानीय लोगों का रवैया बदला।

कभी पशुपति से तिरुपति यानी नेपाल से आंध्र तक का जंगली इलाका लाल गलियारे के रूप में विख्यात था। यहां सुरक्षा बलों के लिए भी घुसना आसान नहीं था। इसमें देश के तकरीबन एक तिहाई जिले आते थे। इन जिलों में माओवादी वैचारिकी के असर वाले हथियारबंद दस्तों की सत्ता चलती थी। माओवादी स्कूलों, रेलवे लाइनों, पुलिस थानों, डाकघरों को निशाना बनाते थे। साथ ही वे इलाके की जनता को यह समझाने में कामयाब रहे थे कि मौजूदा व्यवस्था और तंत्र सिर्फ और सिर्फ उनका शोषण ही कर रहा है। चूंकि विकास की धारा इन इलाकों में माओवादी हथियारबंद दस्तों के अवरोध के चलते बह नहीं पा रही थी, इसलिए अविश्वास का माहौल बढ़ता रहा। लेकिन मोदी सरकार ने सत्ता संभालते ही एक तरफ माओवादियों को उन्हीं की तर्ज में गोली का जवाब गोली से देना शुरू किया, वहीं दूसरी तरफ उनके पुनर्वास के साथ ही नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास की धारा को भी बहाने की कोशिश तेज की।

ऊर्जा सुरक्षा पर निर्णायक मंथन का समय, वैश्विक युद्ध ने बढ़ाई भारत की चिंता

(ऋतुपर्ण दवे)

जो स्थितियां अभी बन चुकी हैं, वह कोई अच्छी नहीं है। जितना लंबा युद्ध खिंचेगा, मुश्किलें उतनी ही बढ़ेंगी। पहले यह समझना होगा कि हम कहां हैं? फिर यह जानना चाहिए कि चीन कहां है।

ईरान और अमेरिका-इजराइल युद्ध का अंजाम चाहे जो हो, लेकिन पूरी दुनिया फिलहाल चिंता में डूबी है। इस समय भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा पर गहन मंथन करने की जरूरत है। एक दीर्घकालीन रणनीति की तत्काल आवश्यकता है। हमें अपने प्रतिद्वंद्वी चीन से भी सीख लेनी होगी। भले ही दुनिया इस युद्ध की विभीषिका से प्रभावित है और तेल तथा गैस का संकट धीरे-धीरे गहराता जा रहा है। मगर चीन निश्चित है। पड़ोसी देश को इस निश्चिंतता के पीछे उसका बड़ा फायदा भी छिपा हुआ है। यदि यह युद्ध और लंबा खिंचता गया, तो भारत सहित दुनिया के कई देशों में स्थिति बिगड़ सकती है। इस युद्ध को हम भारत के भविष्य से जोड़ कर देखें, तो हमें काफी पहले ही सचेत हो जाना चाहिए था।

जो स्थितियां अभी बन चुकी हैं, वह कोई अच्छी नहीं है। जितना लंबा युद्ध खिंचेगा, मुश्किलें उतनी ही बढ़ेंगी। पहले यह समझना होगा कि हम कहां हैं? फिर यह जानना चाहिए कि चीन कहां है। कोई दोराय नहीं कि हमें अपनी ऊर्जा सुरक्षा पर रणनीति बनाने के लिए अब गंभीरता से विचार करना होगा। इस पर राष्ट्रव्यापी समर्थन और सुझावों की आवश्यकता है। इससे भी ज्यादा इस विषय पर राजनीति से इतर राष्ट्रनीति को आगे कर सबको एकजुट होने की जरूरत है। भू-राजनीति का सहारा लेकर हमें एक दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा नीति बनानी होगी, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। हालांकि अर्थव्यवस्था तभी सुदृढ़ हो सकती है, जब हमारी ऊर्जा नीति दूरदर्शी सोच वाली हो। भारत की जनसंख्या लगभग चीन के बराबर है। मगर दोनों के बीच आर्थिक असमानता साफ दिखती है। ऐसे में चीन के बराबर या उससे भी लंबी लकीर खींचने की जरूरत है। इसी सोच के साथ हमें आगे बढ़ना होगा।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध ने हमें क्या सबक दिया है? यह समझना होगा। चीन, भारत का पड़ोसी है। हम उससे कई मामलों में पीछे क्यों हैं, इन सभी स्थितियों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। तेल-गैस आपूर्ति में अस्थिरता ने पूरे विश्व के समक्ष बहुत बड़ा ऊर्जा संकट खड़ा कर दिया है। अमेरिका की नजर ईरान के तेल-गैस भंडार पर है। सर्वविदित है कि तेल दुनिया की अर्थव्यवस्था की धुरी है। भौगोलिक दृष्टि से ईरान और उसके करीबी तेल उत्पादक देशों में अनाज नहीं उपजता। तेल-गैस के बदले उन्हें खाद्य सामग्रियों पर निर्भर रहना पड़ता है। उनके पास तेल के अकूत भंडार हैं। इसलिए वे इतने समृद्ध हैं कि उन्हें किसी भी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ता। अमेरिका की आंखों में उनकी यही समृद्धि खटक रही है। लगातार चल रहे युद्ध से स्थिति बिगड़ने लगी है। इसके पीछे आपूर्ति शृंखला का टूटना है। भारत को ही लें, तो खाड़ी देशों से चला कच्चा तेल, लगभग 27 दिनों के बाद बंदरगाह पहुंचता है। उसके बाद तेल शोधक कारखानों में जाता है। फिर वहां से तेल शोधित होकर डिपो और फिर पेट्रोल-पंपों तक पहुंचता है। इस पूरे चक्र में लगभग एक महीना लग जाता है।

उत्पादकता के जुनून में खो रहा है मन

प्रकृति का मौन संवाद जीवन की सबसे बड़ी जरूरत

प्रकृति के साथ मौन संवाद का अर्थ जीवन से पलायन करना नहीं है। मनोवैज्ञानिक थकान की, तंत्रिका-तंत्र की निरंतर सतर्कता की बात करते हैं, जो हमें हमेशा सतर्क स्वरूप में रखती है, थका डालती है। मगर इन तकनीकी शब्दों के आने से बहुत पहले मनुष्य जानता था इसका इलाज। हम जंगलों, नदियों, पर्वतों की ओर जाते थे। प्रकृति की शांत उपस्थिति में मन की पकड़ ढीली पड़ने लगती है। सांसें गहरी होती हैं, अंतस में थोड़ी जगह बनती हुई महसूस होती है। दिन भर की चिंताएं, अधूरी बातें, अनकहे शब्द-जो कुछ भी बिखरा हुआ था, वह खुद को समेटने लगता है। प्रकृति कोई अपेक्षा नहीं रखती है। नदी हमारी राय नहीं मांगती। वह बस बहती रहती है। पंछी हमें किसी तरह का दिखावा करने को नहीं कहते। वे गाते हैं अपनी ही स्वाभाविक खुशी में। फूल खिलता है बिना तारीफ की प्रतीक्षा किए। बाहरी दबाव न हों, तो मन खुद ही चंगा होने लगता है, जैसे किसी घाव पर मरहम लगने से दर्द कम होने लगता है।

(चैतन्य नागर)

प्रकृति के साथ मौन संवाद का अर्थ जीवन से पलायन करना नहीं है। मनोवैज्ञानिक थकान की, तंत्रिका-तंत्र की निरंतर सतर्कता की बात करते हैं, जो हमें हमेशा सतर्क स्वरूप में रखती है, थका डालती है।

हर संवाद में शब्द हों, यह जरूरी नहीं। कभी-कभी संवाद स्वयं के और दूसरे छोर पर जो है, उसके मौन के बीच एक तरह का अवलोकन होता है। ऐसा संवाद भाषा की सीमाओं को लांघकर अंतस की ऐसी गहराइयों तक पहुंचता है, जिसकी खबर भी नहीं लग पाती। प्रकृति के साथ कुछ इसी तरह का संवाद होता है। हम शोर के युग में जीते हैं, जहां हर पल कुछ न कुछ सुनाई देता है। सन्नाटा हमसे छीन लिया गया है। एकांत किसी शातिर चोर की सेंधमारी में लुट गया है। मन को कभी विश्राम नहीं मिलता। उसे बार-बार छेड़ा जाता है, उकसाया जाता है। जैसे तांगे से बंधे किसी थके हुए घोड़े को जबरदस्ती दौड़ाया जा रहा हो।

इस संस्कृति में उत्पादकता इतनी कीमती हो गई है कि स्थिरता को ही आलस्य समझ लिया गया है। चुपचाप बैठने को समय की आपराधिक बर्बादी कहा जाता है। मगर इस शोर के नीचे हमारा कोई आवश्यक और कीमती हिस्सा क्लांत होने लगता है। वह हिस्सा, जो सपनों से बना है, जो बचपन की यादों में छिपा है और जो बस सिर्फ प्रकृति की गोद में ही सांस लेता है। हम भूल गए हैं कि थकान केवल शरीर की नहीं, मन की भी होती है।

प्रकृति के साथ मौन संवाद का अर्थ जीवन से पलायन करना नहीं है। मनोवैज्ञानिक थकान की, तंत्रिका-तंत्र की निरंतर सतर्कता की बात करते हैं, जो हमें हमेशा सतर्क स्वरूप में रखती है, थका डालती है। मगर इन तकनीकी शब्दों के आने से बहुत पहले मनुष्य जानता था इसका इलाज। हम जंगलों, नदियों, पर्वतों की ओर जाते थे। प्रकृति की शांत उपस्थिति में मन की पकड़ ढीली पड़ने लगती है। सांसें गहरी होती हैं, अंतस में थोड़ी जगह बनती हुई महसूस होती है। दिन भर की चिंताएं, अधूरी बातें, अनकहे शब्द-जो कुछ भी बिखरा हुआ था, वह खुद को समेटने लगता है। प्रकृति कोई अपेक्षा नहीं रखती है। नदी हमारी राय नहीं मांगती। वह बस बहती रहती है। पंछी हमें किसी तरह का दिखावा करने को नहीं कहते। वे गाते हैं अपनी ही स्वाभाविक खुशी में। फूल खिलता है बिना तारीफ की प्रतीक्षा किए। बाहरी दबाव न हों, तो मन खुद ही चंगा होने लगता है, जैसे किसी घाव पर मरहम लगने से दर्द कम होने लगता है।

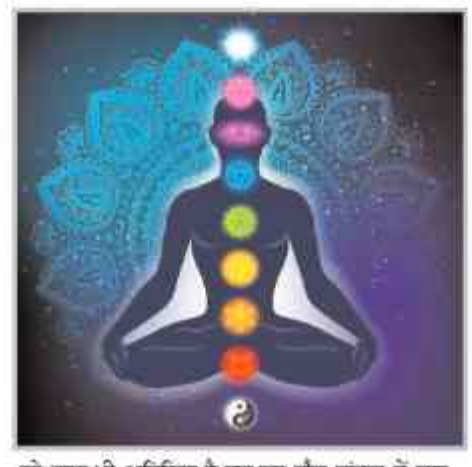

जो कुछ भी अतिरिक्त है वह इस मौन संवाद में घुल जाता है। बस आवश्यक बचा रह जाता है। अचानक महसूस होता है कि हमारा मानसिक शोर कितना अनावश्यक है, बेहोशी के क्षणों में बटोर लिया गया है, साझी विरासत में मिला गया है- दूसरों की अपेक्षाएं, समाज की अंधाधुंध भाग-दौड़, खुद से गढ़ी हुई कहानियां- कितना बोझ है इनमें। प्रकृति के साथ मौन संवाद में कुछ ऐसा सुनाई पड़ता है, जो सूक्ष्म और महीन है। एक झीनी-सी आंतरिक स्पष्टता दिखती है, जो अनावश्यक जिम्मेदारियों के नीचे कहीं दब गई थी। यह बचपन में हमारे पास थी, जब हम बिना किसी कारण खिलखिलाते थे, शोर से सहम जाते थे, द्वेष से मुक्त थे। जब मन निर्मल था, नकारात्मकता से मुक्त था।

मौन में प्रकृति हमारा मनोरंजन नहीं करती, वह हमारे भीतर छिपे सच को सामने लाती है। हवा में कांपता पत्ता हमारी क्षणभंगुरता का आईना बन जाता है। हम भी वैसे ही हैं, जैसी ये पत्तियां! पर्वत की स्थिरता हमारे निरंतर संघर्ष की व्यर्थता दिखाती है। भागते-हांफते इंसान पर वे एक मूक बयान हैं। कुदरत के साथ ये शांत मुलाकातें भावुक नहीं, परिवर्तनकारी होती हैं। वे अपमान किए बगैर विनम्रता सिखाती हैं, स्वामित्व का भाव जताए बिना संबंधित होने का अर्थ समझाती हैं। बगैर डांट-डपट के शिष्टता सिखाती हैं। इस मौन संवाद में थोड़ा बैठें, तो एक गहरे संबंध का बोध होता है- वृक्ष केवल फर्नीचर बनाने वाला काठ नहीं रहता, नदी केवल उपयोगी पानी नहीं रह जाती, जंगल केवल संसाधन नहीं रहता। प्रकृति के साथ परिचय हमें सबकी परवाह करना सिखाता है। यह गहरा जुड़ाव बौद्धिक जानकारी से नहीं, प्रकृति की शांत उपस्थिति से जन्म लेता है।

हमारा पर्यावरणीय संकट केवल तकनीकी नहीं, बल्कि संबंध की विफलताएं हैं, यह याद रखना जरूरी है। हमने कुदरत का शोषण करना सीख लिया है, पर उसे सुनना भूल गए। हम जंगल काटते हैं बगैर प्रकृति की सांस को महसूस किए। नदियों में जहर डालते हैं, बिना उनकी पीड़ा समझे। प्रकृति का मौन सान्निध्य इन दूरियों को कम करता है। यह याद दिलाता है कि धरती मानवीय महत्त्वाकांक्षाओं की युद्धभूमि नहीं, बल्कि एक जीती-जागती, सुंदर वास्तविकता है और हम उसका अभिन्न हिस्सा हैं। हमारी सांसें उसके साथ जुड़ी हैं, हमारा रक्त, मांस-मज्जा उससे ही बना है।

इस मूक संवाद के लिए कुछ सरल अभ्यास उपयोगी हो सकते हैं। हमें दुर्गम तीर्थयात्राओं की जरूरत नहीं। एक पार्क की बेंच, आकाश का नन्हा-सा टुकड़ा, सुबह का शांत बरामदा ही काफी है। हम थोड़े देर के लिए छोटी-बड़ी स्क्रीन छोड़ दें। बैठें। अपनी तस्वीरें न लें, सोशल मीडिया में न उलझें। सुबह पक्षियों की आवाजें सुन लें। बोरियत आती है, तो उसे आने-जाने दें। धीरे-धीरे कुछ बदलने लगता है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने अबूझमाड़ कृषक एफपीओ को सौंपे आधुनिक कृषि यंत्र

नारायणपुर में कृषि विकास को मिली नई दिशा

नारायणपुर। नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के भूमि पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम के अवसर पर जिले में कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा अबूझमाड़ कृषक एफपीओ को भारतीय मिलेट अनुसंधान संस्थान के माध्यम से आधुनिक कृषि यंत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने स्व-सहायता समूह की दीदियों एवं किसानों से चर्चा कर उन्हें मेहनत के साथ आधुनिक कृषि उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाया जा सकता है और आय में वृद्धि संभव है। कलेक्टर नम्रता जैन ने जानकारी दी कि इस पहल का उद्देश्य अबूझमाड़ क्षेत्र में मिलेट्स जैसे कोदो, कुटकी और रागी के उत्पादन को बढ़ावा देना तथा किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है। प्रदान किए गए कृषि यंत्रों में स्वराज 744 ड्यूल 4×4 एन ट्रैक्टर, सीड-कम-फर्टिलाइजर ड्रिल, 9 टाइन रिगिड कल्टीवेटर, मल्टी स्पीड एग्रीकल्चर रोटावेटर, रिवर्सिबल लैंड लेवलर, ट्रैक्टर माउंटेड बंड फॉर्मर और एमबी प्लाउ शामिल हैं। अबूझमाड़ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी इन उपकरणों को किराये पर उपलब्ध कराकर अतिरिक्त आय का स्रोत भी विकसित कर सकेगी। आधुनिक यंत्रों के उपयोग से खेती की लागत में कमी आएगी और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे क्षेत्र में मिलेट्स उत्पादन को नई गति मिलने की उम्मीद है। यह पहल न केवल किसानों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाएगी, बल्कि अबूझमाड़ क्षेत्र के समग्र कृषि विकास को भी मजबूती प्रदान करेगी। इस अवसर पर राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगर पालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुड़िया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आकांक्षा शिक्षा खलखो, वन मंडल अधिकारी एम.जी. वेंकटेशा, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक दिव्येंदु दास सहित जनप्रतिनिधि एवं कृषकगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर उइके ने जनदर्शन में सुनी नागरिकों की समस्याएं

गरियाबंद। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज जनदर्शन आयोजित की गई। जिसमें जिले के अलग-अलग क्षेत्र के लोग अपनी-अपनी मांग, समस्याएं एवं शिकायतें लेकर आवेदन करने आये। इस दौरान जनदर्शन में आने वाले सभी लोगों की समस्या और उनके समाधान का निराकरण भी किया गया। कलेक्टर उइके ने आज जनदर्शन में 36 लोगों की समस्याओं को ध्यान से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में ग्राम घटकर्रा के संतोष दास ने मुआवजा राशि दिलाने के लिए कलेक्टर उइके को आवेदन सौंपा। इसी प्रकार ग्राम कुकदा की नर्मदा बाई ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने, ग्राम छुईहा को एवन बाई ध्रुव ने पीएम आवास दिलाने के लिए, ग्राम कोपरा के वासुदेव साहू ने ईलाज के लिए आर्थिक सहायता राशि दिलाने, ग्राम तरीघाट की कांति बाई ने बंदोबस्त त्रुटि सुधार कराने, ग्राम पंचायत छुईहा के ओमकुमार पीएम आवास योजना की दूसरी किस्त राशि दिलाने के लिए, ग्राम सहसपुर की सीताबाई साहू ने पीएम आवास योजना स्वीकृत कराने, ग्राम खुटेरी के आनंद राम सेन ने पीएम आवास की दूसरी किस्त की राशि दिलाने के लिए, ग्राम कुकदा के दुलार ध्रुव ने पीएम आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए

सर्व ब्राह्मण समाज प्रदेश बेमेतरा जिला, ब्लाक की पहली सूची जारी

बेमेतरा। बेमेतरा जिले के उत्साही युवा डॉ शिरीष शर्मा के सर्व ब्राह्मण समाज जिला अध्यक्ष के पद पर नियुक्ति पश्चात नए बस स्टेण्ड स्थित ऋग्वेदा एकेडमी व लाइब्रेरी सभा भवन मे बैठक का आयोजन किया गया राष्ट्रीय व छग प्रदेश अध्यक्ष ललित मिश्र के निर्देशानुसार राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी व उप प्रान्ताध्यक्ष लेखमणी पांडे की सहमति से डॉ. शिरीष शर्मा ने जिला, ब्लाक व प्रदेश पदाधिकारियों प्रथम सूची की विधिवत घोषणा की। इसमें प्रदेश पदाधिकारी सचिव 1 सुरेन्द्र तिवारी (दाढ़ी) पंडित ओमप्रकाश जोशी (थानखम्हरिया) मूलचंद शर्मा अधिवक्ता (साजा) राजेंद्र शर्मा (पतोरा -बेमेतरा) विकासधर दीवान (नवागढ़) संभागीय पदाधिकारी गण में सूर्यप्रकाश शर्मा (मोहलई) दुर्ग संभाग महासचिव डॉ. आर. पी शर्मा (थानखम्हरिया), दुर्ग संभाग सचिव 3-डॉ. सतीश शर्मा (नवागढ) दुर्ग संभाग सचिव उपाध्यक्ष अशोक शर्मा (बेमेतरा) अतुल शर्मा (देवकर) किशोर दुबे (ढाबा भिम्भोरी) महासचिव प्रदीप दुबे (डडजरा) संजीव तिवारी (देवरबीजा) डॉ. शिवेंद्र त्रिपाठी विशेष आमंत्रित सदस्य धनंजय धर दीवान, के. एल. चौबे, दिनेश दुबे, ओमप्रकाश पांडे, विवेक धर दीवान, महेश शर्मा, कमल दुबे, राज शर्मा, ललित शर्मा, राहुल तिवारी, अनिल त्रिपाठी, विजय शर्मा, किशोर तिवारी, सुजीत शर्मा, ओंकार शर्मा, संजय शर्मा, नरेश तिवारी अधिवक्ता, राजकुमार शर्मा, सचिव 1 विनोद बाजपेई ,(बेमेतरा विनोद दुबे (डडजरा), जगन्नाथ शर्मा (नेवनारा सुशील चौबे (बेमेतरा) आशीष धर दीवान (बहरबोड) मनोज मिश्रा (बेमेतरा) प्रवीण शर्मा (डडजरा) अरविन्द चौबे (मनियारी -बेमेतरा) परमेश्वर दूबे (कुसमी -बेमेतरा)कौशल शर्मा (बेमेतरा) पंडित राजेंद जोशी(बेरला) 12 विनोद शर्मा (बेमेतरा) दिलीप मिश्र (साजा) सुशील पांडे (बेमेतरा) प्रभात शर्मा अधिवक्ता (बेमेतरा) पंडित शेखर शर्मा (नवागढ़) शिवम तिवारी(बेमेतरा) प्रवीण शर्मा (भिम्भौरी), युवराज दुबे सरपंच-घोटमर्रा) नागेंद्र शर्मा (बेमेतरा, सहसचिव 1 दिलीप कुमार शर्मा (साकरा बेरला) गौरीशंकर शर्मा (मजगांव) पंडित त्रिलोक जोशी (बेमेतरा)4 राजा चौबे (साजा) नागेश्वर तिवारी (धनगांव), संगठन सचिव अश्वनी तिवारी (कुसमी -बेमेतरा), गिरीश शर्मा (आयुष्मान हॉस्पिटल बेमेतरा)।

जिले को दी 17.59 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

नारायणपुर को विकास की नई पहचान देने की दिशा में तेजी से हो रहा काम : मंत्री केदार कश्यप

नारायणपुर। प्रदेश के वन, जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने जिले के एकदिवसीय प्रवास के दौरान नारायणपुर को 17 करोड़ 59 लाख 57 हजार रुपये से अधिक लागत के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर जिले के विकास को नई गति प्रदान की। कलेक्टर नम्रता जैन ने बताया कि इस अवसर पर नेशनल हाईवे 130डी के मजबूतीकरण कार्य, नालंदा परिसर (सेंट्रल लाइब्रेरी सह रीडिंग जोन) सहित डीएमएफ और नगरीय निकाय क्षेत्र के अंतर्गत स्वीकृत कुल 11 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर सहित पूरे प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि नालंदा परिसर के निर्माण से जिले के विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा और अबूझमाड़ सहित नारायणपुर के बच्चे भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर इंजीनियर, डॉक्टर एवं शासकीय सेवाओं में स्थान प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने गढ़बेंगाल चौक से बखरूपारा मार्ग के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग 130डी के मजबूतीकरण कार्य को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे आवागमन सुगम होगा और क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग एवं जनप्रतिनिधियों के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी तरह टीमवर्क के साथ कार्य करते रहने का आह्वान किया। वन मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने का संकल्प साकार हुआ है, जिससे अब नारायणपुर और अबूझमाड़ के विकास का मार्ग और अधिक सुगम हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों, महिलाओं, बच्चों और युवाओं सहित सभी वर्गों के विकास एवं समृद्धि के लिए सतत प्रयासरत है। कार्यक्रम के दौरान वन मंत्री केदारनाथ कश्यप ने राष्ट्रीय परिवार सहायता राशि के 03 हितग्राहियों को 20-20 हजार रुपए का चेक, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 अंतर्गत 25 हितग्राहियों को अनुज्ञा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगर पालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, उपाध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, संध्या पवार, गौतम एस. गोलछा, बृजमोहन देवांगन सहित पार्षदगण एवं जनप्रतिनिधिगण, पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुड़िया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आकांक्षा शिक्षा खलखो, वन मंडल अधिकारी एम.जी. वेंकटेशा, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम अभयजीत मण्डावी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रामचंद्र यादव सहित जिला स्तरीय अधिकारी और बड़ी संख्या में जिलेवासी मौजूद रहे।

अग्नि सुरक्षा जागरूकता हेतु 14 अप्रैल को होगा विशाल रैली

जगदलपुर। अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम और जन-जागरूकता के उद्देश्य से इस वर्ष भी जिले में अग्नि सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में भारत सरकार एवं महानिदेशक अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं मुख्यालय रायपुर के निर्देशों का पालन करते हुए आगामी 14 अप्रैल को शहर के मुख्य मार्गों से एक जागरूकता रैली निकाली जाएगी। यह रैली सुबह 10 बजे स्थानीय लाल बाग मैदान से प्रारंभ होकर शहर के हृदय स्थलों जैसे कोतवाली चैक, गोल बाजार चैक, गुरु नानक चैक और संजय बाजार चैक से होकर गुजरेगी। रैली का कारवां आगे बढ़ते हुए चांदनी चैक, शहीद पार्क, जमाल मिल और माड़िया चैक जैसे व्यस्त क्षेत्रों में नागरिकों को अग्नि सुरक्षा के प्रति सचेत करेगा। केन्द्रीय विद्यालय के मार्ग से होते हुए इस रैली का औपचारिक समापन दोपहर 2 बजे एनएमडीसी चैक स्थित फायर स्टेशन पर किया जाएगा। प्रशासन का मुख्य लक्ष्य इस आयोजन के माध्यम से अग्नि दुर्घटनाओं से होने वाली जन-धन की हानि को कम करना और नागरिकों को बचाव के प्रभावी तरीकों से रूबरू कराना है, ताकि भविष्य में होने वाली अप्रिय घटनाओं को रोका जा सके।

संपूर्णता अभियान 2.0 की समीक्षा बैठक सम्पन्न 14 अप्रैल तक 100 : सैचुरेशन के निर्देश

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग की संयुक्त संचालक डॉ. भावना दीक्षित द्वारा सोमवार को कोंडागांव में संपूर्णता अभियान 2.0 की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अंतर्गत संचालित सभी इंडिकेटर्स की विषयवार समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी निर्धारित इंडिकेटर्स में 14 अप्रैल 2026 तक 100 प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, डिप्टी कलेक्टर किशोर शर्मा, एबी फेलो संतोष कुमार सितारे सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी एवं संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर के निर्देश, 14 अप्रैल से 'स्वस्थ बस्तर अभियान' होगा प्रारंभ

जगदलपुर। कलेक्टर आकाश छिकारा ने समय-सीमा की बैठक में राज्य शासन से प्राप्त निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि 14 अप्रैल से जिले में स्वस्थ बस्तर अभियान चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत घर-घर स्वास्थ्य जांच की जाएगी तथा इसका व्यापक प्रचार-प्रसार विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर छिकारा ने मंगलवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। बैठक में स्वास्थ्य विभाग से एम्बुलेंस व्यवस्था, सौ दिन टीबी टेस्टिंग को निक्षय पोर्टल पर प्रगति तथा अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड ब्लॉकिंग की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने ऑनलाइन पोस्टमार्टम रिपोर्ट व्यवस्था लागू करने पर चर्चा की ताकि आरबीसी 6-4 के प्रकरणों में आवश्यक सहायता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने उचित मूल्य की दुकानों में खाद्यान्न भंडारण की स्थिति पर संज्ञान लेते हुए सभी एसडीएम को प्रमुख एफसीआई गोदामों का निरीक्षण करने और पीडीएस संचालकों की तहसीलवार मासिक समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अक्रियाशील खातों से राशि जमा करवाने हेतु संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग को शासन के निर्देशानुसार खाद विक्रेताओं की दुकानों में मानकों के अनुरूप विक्रय करने की जांच करने तथा एसडीएम को भी दुकानों का निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक मे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी, एग्रीस्टैक वेरिफिकेशन की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने एनसीईएआर सर्वे, जनगणना की प्रारंभिक तैयारियों एवं मुख्य सचिव की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के निर्देशों के पालन की समीक्षा भी बैठक में की। ब्लॉकों में सम्पूर्णता अभियान 2.0 के चार प्रमुख पैरामीटरों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने 9 अप्रैल को दरभा क्षेत्र में आयोजित होने वाले शिविर की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। जिला प्लांटेशन की कार्ययोजना तैयार करने, जनपदों में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित कैंटीन व्यवस्था तथा जन औषधि केंद्रों के संचालन की भी समीक्षा की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत रेडी-टू-ईट निर्माण, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन एवं कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने के निर्देश दिए गए। आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों का अपार आईडी बनाने की प्रगति का संज्ञान लिया। इसके साथ ही लोक सेवा गारंटी के लंबित आवेदनों, तथा शिक्षा विभाग में अपार आईडी निर्माण की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को जाति प्रमाण पत्र के आंकड़ों की ब्लॉकवार समीक्षा गूगल शीट में दर्ज करने के निर्देश दिए। बैठक में वय वंदना कार्ड निर्माण, एमएनएसई परीक्षा की तैयारियों सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

पालनार में बूथ क्रमांक 259 पर भाजपा स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया, नंदलाल मुड़ामी और सुकालू मुड़ामी की रहीं विशेष उपस्थिति

किरंदुल। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर कुआकोंडा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पालनार के बूथ क्रमांक 259 में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी की मुख्य उपस्थिति रहीं। आयोजन के दौरान उत्साह, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना का अद्भुत समन्वय देखने को मिला, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन शामिल हुए। इस अवसर पर नंदलाल मुड़ामी ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर के कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक ताकत होते हैं और मजबूत बूथ ही सशक्त संगठन की आधारशिला है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव तक पहुंचकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं—जैसे आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना एवं किसान सम्मान निधि—का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने अपने उद्बोधन में कार्यकर्ताओं को संगठन के प्रति समर्पण, अनुशासन और निरंतर सक्रियता के साथ कार्य करने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने स्थापना दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। इस अवसर पर बूथ समिति के सदस्यगण, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

प्रतिभावान छात्रों को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों के चयन के लिए रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए श्मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के क्रियान्वयन हेतु प्रदेश के प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों से इम्पैनलमेंट के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। इस योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में स्थित सीबीएसई या आईसीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त उन उत्कृष्ट निजी विद्यालयों का चयन किया जाएगा, जहाँ शिक्षण संस्थान और छात्रावास एक ही परिसर में संचालित हो रहे हों। विभाग द्वारा इस वर्ष कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए कुल 200 विद्यार्थियों का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें अनुसूचित जनजाति वर्ग के 130 और अनुसूचित जाति वर्ग के 70 विद्यार्थियों को इन चयनित संस्थानों में प्रवेश दिलाकर उन्हें कक्षा 12वीं तक निःशुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान की जाएगी। चयनित विद्यालयों को विभाग द्वारा निर्धारित शुल्क की प्रतिपूर्ति की जाएगी। संस्थाओं के चयन के लिए कड़े मापदंड निर्धारित किए गए हैं, जिसमें विद्यालय का कम से कम 5 वर्ष पुराना होना, स्वयं का सुसज्जित भवन, डिजिटल क्लासरूम, खेल मैदान और मानक स्तर के पृथक बालक-बालिका छात्रावास होना अनिवार्य है।

जिले के सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में चावल उत्सव का हुआ आयोजन

कोंडागांव। जिले के सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में चावल उत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन के माध्यम से पंजीकृत हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण के साथ-साथ विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। चावल उत्सव के दौरान उचित मूल्य की दुकानों में पंजीकृत राशन कार्डधारियों को निर्धारित मात्रा में चावल, नमक एवं अन्य खाद्यान्न सामग्री का वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके साथ ही हितग्राहियों के ई-केवाईसी की प्रक्रिया भी प्राथमिकता से पूर्ण कराई जा रही है, ताकि भविष्य में उन्हें योजनाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त हो सके। जिला खाद्य अधिकारी नवीन श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में कुल 422 शासकीय उचित मूल्य की दुकानें संचालित हैं, जिनमें 1,58,629 राशन कार्डधारी पंजीकृत हैं। इन सभी के लिए खाद्यान्न का आबंटन जारी कर दिया गया है और वितरण की प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी है। उक्त कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही, जिन्होंने हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी देने, वितरण व्यवस्था की निगरानी करने एवं जन-जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिला प्रशासन द्वारा चावल उत्सव के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं समयबद्धता बनाए रखते हुए प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें।

पूल मेडिसिन स्पेसलिस्ट सड़क मरम्मत और स्कूल कॉलेजो में प्रोफेसर कि माँग को लेकर कांग्रेसियों ने का प्रदर्शन

गरियाबंद। जिला के अंतिम छोर पर बसे देवभोग ब्लॉक नदी पार 36 गांव के लोगो की प्रमुख बेलाट नाला में पुल निर्माण झाखरपारा में जिला सहकारी बैंक खोलने और जर्जर सड़क की मरम्मत एवं मेडिसिन स्पेलिस्ट की व्यवस्था करने जैसे अन्य माँग को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व मे झाराबहाल मुख्य एनएच 130 पर चक्काजाम कर कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं, जिससे आम जनता को हल्की फुल्की परेशानियों का सामना भी करना पड़ा। प्रदर्शन में क्षेत्रीय विधायक जनकराम ध्रुव जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ब्लॉक अध्यक्ष भूपेन्द्र मांझी मैनपुर अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुव नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश तिवारी महामंत्री महेश्वर बघेल कुंजलराम यादव अरुण सोनवानी उमेश डोंगरे निराकार डोंगरे भोले मांझी मनोज नागेश सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे। इस बीच जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा का कहना है कि हर वर्ष बरसात के मौसम में नदी और नालों का जलस्तर बढ़ जाने के कारण क्षेत्र का संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। इससे एक ओर स्कूलो कालेज के बच्चों की पढ़ाई काफी दिनों तक प्रभावित होती है तो दूसरी ओर मरीजों किसानो सब्जी भाजी बेचने वाले और व्यापारियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई बार आपात स्थिति में लोगों को समय पर चिकित्सा सुविधा भी नहीं मिल पाती, जिससे स्थिति और भी ज्यादा गंभीर हो जाती है और ऐसे तमाम समस्या से अवगत होने के बाद भी अब तक शासन से कोई पहल नही हो पाया हैं। जबकि तत्कालीन भूपेश सरकार ने बेलाट नाला में उच्च स्तरीय पुल निर्माण की स्वीकृति दी है, मगर बीजेपी को भर भर कर आशीर्वाद देने के बाद क्षेत्र के लोगों को पुल पुलिया स्वास्थ्य सड़क विद्यालयों में शिक्षको के लिए उपेक्षित कर रही है। इसी तरह ब्लॉक अध्यक्ष भूपेंद्र मांझी ने भी आरोप लगाते हुए कहा कि इस समस्या को लेकर कई बार प्रशासन और संबंधित विभाग को ज्ञापन सौंपा गया, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है इससे नाराज़ होकर मजबूरन चक्का जाम का सहारा लेना पड़ा, क्योंकि उक्त जरूरत पुल बैंक शिक्षा अच्छी सड़क के लिए लोगों को काफी ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे शर्मनाक बात तो यह है कि सालों साल बीतने के बाद भी देवभोग ब्लॉक के ज्यादातर मरीजों को ओडिशा के इलाज पर निर्भर रहना पड़ता है। जबकि मेडिसिन सिपेसलिस्ट की माँग वर्षों से हो रही है। मगर अब तक माँग को अनदेखा किया जाना दुर्भाग्य की बात है। इसी तरह अन्य कांग्रेस नेताओं ने बीजेपी की जमकर आलोचना की और अंतिम में राज्यपाल के नाम तहसीलदार चंद्रवंशी को ज्ञापन दिया, जिस पर अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि उच्च स्तरीय पुल निर्माण के प्रस्ताव को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा और जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के यांत्रिक विभाग ने बनाए नए कीर्तिमान

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) के यांत्रिक विभाग ने वित्त वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं । नागपुर रेल मंडल के मोतीबाग वर्कशॉप को अखिल भारतीय स्तर पर भारतीय रेलवे की सर्वश्रेष्ठ कार्यशाला घोषित कर उत्कृष्ट गुणवत्ता शील्ड से सम्मानित किया गया । यांत्रिक विभाग ने वैगनो के अनुरक्षण में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है । वैगन ROH आउटटर्न में 31.5%, ब्रॉडगेज कोच POH में 32% तथा वैगन POH में 8.7% की बढ़ोतरी हुई है । रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज माघ मेला के सफल आयोजन हेतु अक्टूबर 2025 में कुल 05 रेक अन्य जोनों को भेजे गए, जिनमें 02 रेक नॉर्थ सेंट्रल रेलवे तथा 03 रेक नॉर्थ ईस्टर्न रेलवे को उपलब्ध कराए गए । साथ ही यात्री गाड़ियों के परिचालन में और अधिक सुविधा देने हेतु बिलासपुर रीवा एवं बिलासपुर इंदौर ट्रेनों को आधुनिक LHB कोचों में परिवर्तित किया गया है । रेलवे के विभिन्न डिपो जैसे पीपी यार्ड भिलाई, C&W डिपो (एक्सचेंज यार्ड/ भिलाई) एवं WRC/BMY को ISO 9001:2015, ISO 45001:2018 एवं ISO 14001:2015 प्रमाणन प्राप्त हुआ है, जो गुणवत्ता, सुरक्षा एवं पर्यावरण प्रबंधन के उच्च मानकों को दर्शाता है । वर्तमान वित्तीय वर्ष में पहली बार NMG (Newly Modified Goods) कोचों का पीओएच कार्य प्रारंभ किया गया, जिसमें फरवरी 2026 तक कुल 25 कोचों का सफल ओवरहॉल किया जा चुका है । पीपी यार्ड में कंप्यूटरीकृत रेक टेस्ट रिग (CRTR) एवं सिंगल वैगन टेस्ट रिग (CSWTR) की स्थापना से एयर ब्रेक प्रणाली की स्वचालित जांच एवं डिजिटल रिकॉर्डिंग संभव हो पाई है । भिलाई एवं कोरबा में AI आधारित MVIS (Automatic Wagon Damage Detection System) स्थापित किया गया है, जो हाई-रिज़ॉल्यूशन कैमरों के माध्यम से वैगनों की पहचान एवं दोषों का स्वत: विश्लेषण करता है । मेंटेनेंस कार्यों में सुधार हेतु पीपी यार्ड भिलाई में CASNUB बोगियों के लिए आधुनिक मैनिपुलेटर लगाए गए हैं, जिससे सुरक्षित लिफ्टिंग एवं 360 डिग्री रोटेशन संभव हुआ है । रेलवे द्वारा ब्रेक वैन आधुनिकीकरण के तहत 32 ब्रेक वैन को उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है तथा ट्रेन मैनेजर केबिन में ब्रेक रिलीज मॉनिटरिंग सिस्टम भी स्थापित किया गया है । इसके अतिरिक्त, Permanent Thermal Monitoring System (PTMS), Modified SLIC Pins, एवं स्नबर्स ट्रायल जैसी नई तकनीकों का परीक्षण जारी है, जिससे सुरक्षा और विश्वसनीयता में वृद्धि होगी । कर्मचारियों की सुविधा के लिए दुर्ग कोचिंग डिपो में OBHS स्टाफहेतु पोर्टा-कैबिन स्थापित किया गया है, जिसमें विश्राम एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं । बिलासपुर कोचिंग डिपो में अग्निरोधी लिनन बैग का सफल परीक्षण किया गया है, जो अधिक सुरक्षित एवं टिकाऊ साबित हो रहे हैं । मोटीबाग वर्कशॉप में डिजिटल कियोस्क स्थापित किए गए हैं, जिससे रियल-टाइम सूचना उपलब्धता एवं पारदर्शिता में वृद्धि हुई है । पर्यावरण एवं सुरक्षा के तहत बहुबली फेंसिंग का निर्माण किया गया है, जिससे यार्ड क्षेत्रों में सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित हुआ है । साथ ही, जीएम कार्यालय परिसर में स्क्रैप सामग्री से अभ्युदय मूर्ति का निर्माण कर स्क्रैप टू आर्ट पहल को बढ़ावा दिया गया है । सुरक्षा के क्षेत्र में थर्मल मॉनिटरिंग सिस्टम, बहुबली फेंसिंग तथा ब्रेक रिलीज मॉनिटरिंग जैसी पहलें की गई हैं। वहीं कर्मचारियों की सुविधा हेतु दुर्ग डिपो में आधुनिक पोर्टा केबिन भी स्थापित किया गया है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का यांत्रिक विभाग निरंतर नवाचार, गुणवत्ता एवं सुरक्षा के नए मानक स्थापित कर भारतीय रेलवे को नई दिशा दे रहा है । श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के दिशा निर्देश में उपरोक्त कार्य किए गये है ।

वर्दी के पीछे छिपी थकान का इलाजः 300 जवानों की हेल्थ जांच, डॉक्टरों की टीम ने खोली फिटनेस की हकीकत

बिलासपुर। बिलासपुर में ट्रैफिक संभालने वाले जवानों की सेहत अब पुलिस की प्राथमिकता बन गई है, जहां विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर ऐसा बड़ा मेडिकल कैंप लगाया गया कि 24म7 ड्यूटी करने वाले 300 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को एक ही दिन में पूरी बॉडी की जांच हो गई और कई अहम स्वास्थ्य संकेत सामने आए। 07 अप्रैल 2026 की सुबह चेतना भवन पुलिस लाइन में शुरू हुआ यह विशाल निशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर सीधे मैदान में उतरे उन जवानों के लिए था जो धूल, धुआं, तेज धूप, बारिश और ठंड के बीच लगातार ट्रैफिक संभालते हैं और खुद की सेहत को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, इसी संवेदनशील जरूरत को समझते हुए रजनेश सिंह के निर्देशन और रामगोपाल करियारे के पर्यवेक्षण में यह अभियान चलाया गया जहां पुलिस विभाग ने अपनी ही फोर्स के लिए हेल्थ अलर्ट जारी कर दिया। सुबह 6 बजे से शुरू हुए इस कैंप में हृदय रोग, श्वास रोग, छाती, मधुमेह, रक्तचाप, हड्डी और चर्म रोग तक के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने जवानों की बारीकी से जांच की, हर जवान को अलग-अलग परामर्श मिला, किसी को डाइट सुधारने की सलाह, किसी को व्यायाम बढ़ाने की जरूरत बताई गई तो किसी को मानसिक तनाव से बाहर निकलने के टिप्स दिए गए, डॉक्टरों ने साफ कहा कि लगातार ड्यूटी और अनियमित दिनचर्या शरीर को अंदर से कमजोर कर रही है और समय रहते सतर्क होना जरूरी है।

जिले में गौधाम विस्तार को मिली रफ्तार:5 स्वीकृत,12 नए प्रस्ताव लंबित,19 प्रस्तावों पर हुआ अहम निर्णय...

बिलासपुर। जिला स्तरीय गौधाम समिति की महत्वपूर्ण बैठक में जिले में गौसंरक्षण और गौधाम संचालन को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में स्वीकृत गौधामों के संचालन, नए प्रस्तावों की स्थिति और अपूर्ण आवेदनों पर विस्तार से चर्चा करते हुए ठोस निर्णय लिए गए। जिला कार्यालय के मंथन सभा कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय गौधाम समिति की बैठक जिला अध्यक्ष श्री धीरेंद्र दुबे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, सदस्य श्री रमाकांत पांडे, श्री इतवारी धीवर, श्री रामकृष्ण साहू, डॉ. जी.एस. तंवर सचिव एवं संयुक्त संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं तथा डॉ. बी.पी. सोनी जिला नोडल अधिकारी, गौधाम योजना सहित विकासखंड स्तरीय समिति के पदाधिकारी और स्वीकृत गौधामों के संचालक उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि जिले में अब तक कुल 39 गौधामों के आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 5 गौधाम राज्य शासन द्वारा स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 4 गौधाम वर्तमान में संचालित हैं, जबकि कनई खोंधरा का गौधाम शुरू होना शेष है। इसके अलावा 12 नए

गौधामों के प्रस्ताव गौ सेवा आयोग को स्वीकृति के लिए भेजे गए हैं, जिनमें रहंगी, पराघाट, निरतु, नेवरा, छतौना, मौपका, लावर, किरारी भरनी, घुटकू, खजुरी नवागांव एवं काठाकोनी शामिल हैं बैठक में कुल 19 प्रस्तावों पर विचार किया गया, जिनमें से 12 प्रस्ताव अपूर्ण पाए गए। केवल विकासखंड कोटा के 3 प्रस्ताव पूर्ण होने पर उन्हें स्वीकृति हेतु अनुशंसित किया गया। इनमें लालपुर गौधाम (गिरजा बंद गौ सेवा समिति), कुरुवार गौधाम (ग्राम पंचायत कुरुवार) एवं खैरा गौधाम (ग्राम पंचायत खैरा) शामिल हैं। वहीं, ग्राम जाली की गोरी महिला स्व सहायता समूह द्वारा संचालन में असहमति जताने तथा खैरा के भवानी महिला स्व सहायता समूह एवं श्री कृष्णा गौधाम सेवा समिति के प्रस्ताव अपूर्ण होने के कारण संबंधित प्रस्ताव निरस्त किए गए। लालपुर कोटा में भी दो आवेदनों में से गिरजा बंद गौ सेवा समिति के प्रस्ताव को पूर्ण पाए जाने पर अनुशंसित किया गया, जबकि बैगा बाबा आश्रम का आवेदन तकनीकी कारणों से निरस्त कर दिया गया। बैठक में सुरभि गौधाम कनई खोंधरा एवं हरदी कला टोना में पशु शेड पूर्ण होने और संचालकों द्वारा संचालन की सहमति देने पर उनके संचालन को अनुमोदित किया गया इसके अतिरिक्त लाखासर गौधाम में 201, ओकर में 86 तथा जैतपुर में 54 गायों के संरक्षण की जानकारी देते हुए इन स्थानों पर सेक्स सॉर्टेड सीमन के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान कार्य शीघ्र प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। बैठक में गौधामों के सुव्यवस्थित संचालन और गौवंश संरक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

बेलगहना-टेंगनमाड़ा के मध्य स्थित LHS (अंडरब्रिज) बीके-27 में मरम्मत कार्य प्रगति पर अंडरब्रिज 13 अप्रैल 2026 तक रहेगी बंद

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत बेलगहना टेंगनमाड़ा स्टेशनों के मध्य किमी 774/31-33 पर स्थित रास्ता संख्या बीके-27 (रेल अंडरब्रिज) पर सड़क आवागमन को और अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से सड़क मरम्मत का कार्य प्रगति पर है। उक्त कार्य के फलस्वरूप इस समपार को दिनांक 21 फरवरी 2026 से 06 अप्रैल 2026 तक सड़क यातायात के लिए पूर्णतः बंद रखा गया था। किन्तु कार्य के दौरान कुछ अतिरिक्त तकनीकी कार्य जुड़ जाने के कारण अब इस समपार को सड़क यातायात हेतु दिनांक 13 अप्रैल 2026 तक पूर्णतः बंद रखने का निर्णय लिया गया है। सड़क मरम्मत कार्य अवधि के दौरान सड़क यातायात

के लिए वैकल्पिक मार्ग के रूप में टेंगनमाड़ा-खोंगसरा स्टेशनों के मध्य किमी. 781/10-12 पर स्थित रास्ता बीके-29 (रेल अंडरब्रिज) से उपलब्ध है। रेल प्रशासन आम जनता को होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करता है तथा इस आवश्यक कार्य में सहयोग हेतु नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करता है।

चावल उत्सव का शुभारंभ,लाखों परिवारों को मिल रहा सीधा लाभ

समय और श्रम की बचत, एक साथ मिल रहा तीन माह का राशन

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जिले के सभी पीडीएस दुकानों में 7 अप्रैल से चावल उत्सव की शुरूआत हुई है। चावल उत्सव के दौरान जिले के लगभग 6 लाख राशन कार्डधारियों को तीन माह का चावल एक साथ वितरण किए जाने की शुरूआत हुई। जिले में बीपीएल और एपीएल कार्डधारियों को निर्धारित तीन माह का चावल उपलब्ध कराया जा रहा है। इस विशेष अभियान के अंतर्गत सभी 697 उचित मूल्य दुकानों में एक साथ वितरण प्रक्रिया संचालित की गई है। तीन माह का चावल एकमुश्त मिलने से हितग्राहियों में उत्साह है उन्होंने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया है। शहर के कुदुदण्ड स्थित पीडीएस दुकान में अपना राशन लेने पहुंचे हितग्राही गणेश यादव ने बताया कि आज उन्हें तीन माह का चावल एकमुश्त प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था काफी सुविधाजनक है इससे उन्हें अब तीन माह तक राशन दुकान नहीं आना पड़ेगा इससे उनके समय की बचत होगी। शासकीय उचित मूल्य दुकान पहुंची श्रीमती लक्ष्मी मानिकपुरी ने बताया कि वह तीन माह का चावल लेने केंद्र पहुंची है जहां निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें 105 किलो चावल मिल गया है। उन्होंने इस व्यवस्था पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इससे अब उन्हें इस भीषण गर्मी में तीन माह तक राशन दुकान आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वृद्धा फेनी बाई ने कहा कि राशन दुकानों में चावल लेने के लिए कई बार उन्हें काफी समय देना पड़ता है। भीषण गर्मी में सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय से सभी को राहत मिलेगी। युवा महिला सुनीता पात्रे ने बताया कि 6 माह के छोटे बच्चे को लेकर वह राशन लेने आई हैं। तीन माह का राशन एकमुश्त मिलने से अब उन्हें इस भीषण गर्मी में बच्चे के साथ चावल लेने नहीं आना पड़ेगा।

मामूली कहासुनी बनी खूनी वार पड़ोसियों ने धारदार हथियार से किया जानलेवा हमला

बिलासपुर। बिलासपुर के सकरी थाना क्षेत्र के पेण्डारी में एक मामूली विवाद ने अचानक ऐसा हिंसक रूप ले लिया कि पड़ोस की बहस सीधे खून-खराबे में बदल गई और परिवार पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया गया, 06 अप्रैल 2026 को रात करीब 07:30 बजे जब प्रार्थी राजा बघेल अपने परिवार के साथ घर के बाहर खड़ा था तभी पड़ोस में रहने वाले आरोपियों ने गाली-गलीज शुरू की, विरोध हुआ तो मामला शांत होने के बजाय भड़क गया और देखते ही देखते अर्जुन कुमार बघेल पिता पौरिथराम बघेल उम्र 42 वर्ष, लक्ष्मण बघेल पिता पौरिथराम बघेल उम्र 48 वर्ष, दिलीप बघेल पिता पौरिथराम बघेल उम्र 48 वर्ष, सुमित्रा बघेल पति लक्ष्मण बघेल उम्र 40 वर्ष एवं एक विधि से संघर्षरत बालक—इन्द्रप्रस्थ निवासी पेण्डारी थाना सकरी—एकजुट होकर लाठी और धारदार हथियार लेकर टूट पड़े, हमला इतना अचानक और उग्र था कि परिवार संभल भी नहीं पाया, बीच-बचाव करने आए लोगों को भी नहीं बख्शा गया और जमकर मारपीट की गई, इस दौरान उषा बघेल गंभीर रूप से घायल हो गईं जिन्हें तत्काल सिम्स बिलासपुर में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही सकरी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत अपराध क्रमांक 297/2026 दर्ज किया और भारतीय न्याय संहिता की धारा 296, 351(3), 115(2), 109(1), 191(2), 191(3) के तहत केस कायम किया, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया गया और त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे विद्यालय क्रमांक1,बिलासपुर में एकलव्य शूटिंग रेंज आधुनिक खेल सेवा का शुभारंभ

■ प्रतिभाओं को निखारने और लक्ष्यभेदी सोच विकसित करने की दिशा में सार्थक पहल

बिलासपुर। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों के क्षेत्र में नई दिशा प्रदान करने तथा उनमें अनुशासन, एकाग्रता, आत्मविश्वास एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन की भावना विकसित करने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे विद्यालय क्रमांक 1, बिलासपुर में पहली बार आधुनिक एकलव्य शूटिंग रेंज की स्थापना की गई है। यह उपलब्धि विद्यालय के इतिहास में एक अभूतपूर्व एवं स्मरणीय मील का पत्थर साबित हुई है। इस अत्याधुनिक खेल-सुविधा का भव्य शुभारंभ दिनांक 02 अप्रैल 2026 को प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री आदित्य कुमार के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. अंशुमान मिश्रा, विद्यालय के प्राचार्य श्री महेश बाबु, सभी शिक्षकगण एवं अधिकाधिक संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह के दौरान माननीय अतिथियों ने शूटिंग रेंज का अवलोकन किया तथा इसकी उपयोगिता, सुरक्षा व्यवस्था एवं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं की सराहना की। उन्होंने इस पहल को प्रतिभाओं को तराशने, लक्ष्यभेदी सोच विकसित करने और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। विद्यालय परिवार ने इस ऐतिहासिक पहल के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रशासन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। एकलव्य शूटिंग रेंज की स्थापना न केवल विद्यालय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह विद्यार्थियों के लिए एक स्वर्णिम अवसर एवं बिलासपुर क्षेत्र के शैक्षणिक एवं खेल परिवेश के लिए नई शुरुआत भी है। विद्यालय प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि इस आधुनिक सुविधा के माध्यम से विद्यार्थी भविष्य में जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय, परिवार एवं क्षेत्र का नाम गौरवान्वित करेंगे।

रायपुर उरकुरा मांढर रेलखंड हुआ ऑटोमेटिक सिग्नलिंग प्रणाली से लैस

■ आधुनिक सिग्नलिंग से बढ़ी क्षमता, एक साथ कई ट्रेनों का सुगम एवं संरक्षित परिचालन संचालन संभव

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ रेल परिचालन की क्षमता बढ़ाने हेतु निरंतर आधुनिक तकनीकों को अपना रहा है। इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में रायपुर मंडल के अंतर्गत रायपुर उरकुरा एवं उरकुरा मांढर रेलखंड पर ऑटोमेटिक सिग्नलिंग प्रणाली का सफलतापूर्वक कमीशनिंग किया गया है। इस परियोजना के अंतर्गत रायपुर उरकुरा (लगभग 3 किलोमीटर, डबल लाइन) तथा उरकुरा मांढर (लगभग 9 किलोमीटर, ट्रिपल लाइन) रेलखंड पर कुल 12 किलोमीटर लंबाई में ऑटोमेटिक सिग्नलिंग प्रणाली लागू की गई है, जो डबल लाइन समतुल्य लगभग 21 किलोमीटर के बराबर है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में इस परियोजना के तहत अब तक कुल 21 किलोमीटर डबल लाइन समतुल्य ऑटोमेटिक सिग्नलिंग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इस आधुनिक प्रणाली के अंतर्गत 14 नए ऑटोमेटिक सिग्नल एवं 2 सेमी-ऑटोमेटिक सिग्नल स्थापित किए गए हैं। साथ ही कुल 80 डिजिटल एक्सल काउंटर (MSDAC, Sigma मेक) लगाए गए हैं, जिनमें ड्यूल डिटेक्शन एवं मीडिया डाइवर्सिटी की सुविधा उपलब्ध है, जिससे ट्रेन की सटीक एवं रीयल-टाइम स्थिति का पता लगाया जा सकता है। रायपुर उरकुरा खंड में अप एवं डाउन लाइनों पर 3-3 ऑटो सेक्शन तथा उरकुरा मांढर खंड में अप, डाउन एवं मिड लाइन (द्विदिशीय) पर 4-4 ऑटो सेक्शन बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, इंटर-स्टेशन ब्लॉक इंटरफेस ट्रांसमिशन के लिए यूनिवर्सल फेल-सेफ ब्लॉक इंटरफेस (UFSBI) प्रणाली तथा उरकुरा मांढर खंड में मिड लाइन के लिए डायरेक्शन सेटिंग पैनल की सुविधा

भी प्रदान की गई है। संरक्षा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से समपार फाटक संख्या 417 पर एक नया ऑटो हाट भी स्थापित किया गया है, जिससे सिग्नलिंग प्रणाली की विश्वसनीयता और बेहतर हुई है। ऑटोमेटिक सिग्नलिंग प्रणाली लागू होने से अब एक ही ब्लॉक सेक्शन में एक ही दिशा में एक से अधिक ट्रेनों का संचालन संभव हो गया है। इससे ट्रेनों की गति में वृद्धि, समय की बचत तथा लाइन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। अब ट्रेनों को आगे बढ़ने के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ता, जिससे परिचालन अधिक सुचारु एवं कुशल हो गया है। रेलवे में सिग्नलिंग प्रणाली का आधुनिकीकरण एक सतत प्रक्रिया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा परिचालन की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है, जिससे न केवल ट्रेनों की गति और संख्या में वृद्धि हो रही है, बल्कि यात्रियों को संरक्षित एवं विश्वसनीय यात्रा अनुभव भी सुनिश्चित हो रहा है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एसईसीएल मुख्यालय में वॉकथॉन का सफल आयोजन संपन्न

बिलासपुर। आज दिनांक 07 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर, एसईसीएल (SECL) के चिकित्सा विभाग के तत्वावधान में स्वास्थ्य, फिटनेस और सामूहिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एसईसीएल मुख्यालय में एक उत्साहपूर्ण वॉकथॉन का आयोजन किया गया । इस अवसर पर, निदेशक (तकनीकी संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास, और निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) श्री रमेश चंद्र महापात्र ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और अपने प्रेरक संदेशों से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि मानव शरीर ईश्वर का एक अनमोल उपहार है और स्वास्थ्य हमारी सबसे बड़ी संपत्ति है। इस वर्ष की थीम, स्वास्थ्य के लिए एकजुट। विज्ञान के साथ खड़े हों। (Together for Health. Stand with Science.) के अनुरूप, कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और स्वस्थ जीवन शैली व फिटनेस के बारे में जागरूकता फैलाई। कार्यक्रम की शुरुआत एसईसीएल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस), डॉ. श्रुतिदेव मिश्रा के स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने स्वास्थ्य जागरूकता और अच्छे स्वास्थ्य के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला।

घर में कामधेनु गाय की सही दिशा में रखें मूर्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कामधेनु गाय की मूर्ति स्थापित करने से धन, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। इसे घर या पूजा कक्ष में उत्तर या पूर्व दिशा में रखना आदर्श है। यह प्रचुरता का प्रतीक है, नकारात्मकता को दूर करता है और पारिवारिक सद्भाव को बढ़ाता है। सही स्थान पर स्थापित करने से अधिकतम आध्यात्मिक और आर्थिक लाभ प्राप्त होते हैं।

वास्तु शास्त्र में कामधेनु गाय का क्या महत्व है?

वास्तु शास्त्र में कामधेनु, दिव्य गाय, को समृद्धि, पवित्रता और प्रचुरता के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। घर में इसकी उपस्थिति धन को आकर्षित करती है, शांति सुनिश्चित करती है और परिवार को नकारात्मक ऊर्जाओं से बचाती है। कामधेनु, जिसे अवसर मनोकामना पूरी करने वाली गाय कहा जाता है, प्राचीन ग्रंथों में समस्त धन और पोषण का स्रोत बताई गई है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर या दफ्तर में कामधेनु की मूर्ति स्थापित करने से सकारात्मक ऊर्जा का विस्तार होता है। ऐसा माना जाता है कि गाय की सौम्य ऊर्जा रिश्तों को स्थिर करती है, स्वास्थ्य में सुधार लाती है और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करती है। कई परिवार अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए कामधेनु को पूजा कक्ष, बैठक कक्ष या मुख्य प्रवेश द्वार पर रखते हैं।

कामधेनु गाय को रखने के लिए सबसे अच्छी दिशा कौन सी है?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, कामधेनु गाय की मूर्ति स्थापित करने के लिए उत्तर और पूर्व दिशाएँ आदर्श हैं। उत्तर दिशा धन को आकर्षित करती है, जबकि पूर्व दिशा आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता को बढ़ाती है।
गाय को उत्तर, उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में रखने से अधिकतम लाभ प्राप्त होता है। दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम दिशाओं से बचें क्योंकि वे ऊर्जा प्रवाह को अवरुद्ध कर सकती हैं। जिन घरों में पूजा कक्ष है, वहां मूर्ति का मुख उत्तर या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए ताकि उसकी दृष्टि मुख्य द्वार या पवित्र स्थान के साथ संरेखित हो।
कामधेनु गाय को साफ-सुथरी, ऊँची सतह पर स्थापित करें, अधिमानत: पूजा कक्ष में या उत्तर या पूर्व दिशा की ओर मुख वाले अच्छी रोशनी वाले स्थान पर। मूर्ति के आसपास अव्यवस्था न रखें और सम्मान बनाए रखें।
मूर्ति को फर्श से कम से कम 1-2 फीट ऊपर उठाना चाहिए।
इसे हमेशा साफ और चमकीला रखें, खासकर अगर यह पीतल या चांदी का बना हो।
इसे सीधे फर्श पर या बेडरूम में रखने से बचें।
इसके लाभों को बढ़ाने के लिए इसे लक्ष्मी की मूर्तियों, श्री यंत्र या तुलसी के पौधों जैसे अन्य वास्तु तत्वों के साथ मिलाकर उपयोग करें।

कैसे बढ़ाएं बालों की ग्रोथ?

पालक और हरी सब्जियां:

बचपन से ही बच्चों को हरी सब्जियां खाना सिखाया जाता है, ये न सिर्फ सेहत के लिए अच्छी होती हैं बल्कि बालों पर भी कमाल का असर दिखाती हैं। इनमें आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन A और C जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, ये बालों को झड़ने से रोकते हैं साथ ही साथ, इनकी ग्रोथ को तेज करते हैं। रोजाना पालक, ऐसे में रोजाना मेथी या सरसों की सब्जी खाएं।

ड्राई फ्रूट्स :

हम में से कई लोग रोजाना ड्राई फ्रूट्स खाते हैं, जिससे शरीर पर काफी फर्क पड़ता है, इससे हम सिर्फ हम हेल्दी रहते हैं बल्कि बालों को भी नई जान मिलती है। इनमें विटामिन E, जिंक और हेल्दी फैट्स पाए जाते है जो बालों को चमकदार और मजबूत बनाते हैं। मुट्ठी भर बादाम या अखरोट रोज खाने से बालों की लंबाई और घनापन दोनों बढ़ता है।

मछली या फ्लैक्ससीड :

अगर आप नॉनवेज खाते हैं तो बालों की ग्रोथ के लिए थाली में मछली या फ्लैक्ससीड को जोड़ें, इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड होते है जो बालों की जड़ों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाते हैं और सूजन को कम करते हैं। अगर मछली नहीं खाते तो रोज 1 चम्मच अलसी के बीज पीसकर दही या सलाद में डालकर खाएं।

कुछ परेशानियां तो मानों हर किसी की लाइफ का हिस्सा बन गई हैं, जिनमें से एक है बालों का झड़ना। लड़का हो या लड़की हर कोई इससे परेशान है। इसके लिए लोग तरह-तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं या फिर महंगे ट्रीटमेंट का सहारा लेते हैं, हालांकि इनसे भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। ऐसे में अगर आपके बाल बहुत धीरे बढ़ रहे हैं, पतले हो रहे हैं या फिर बहुत ज्यादा टूट रहे हैं तो सिर्फ बाहर से तेल या गुल्ले लगाने से काम नहीं चलेगा। दरअसल जो हम में से बहुत लोग जानते हैं कि बालों की असली ग्रोथ अंदर से होती है यानी आपकी डाइट से। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कुछ खास पोषक तत्वों से भरपूर चीजें रोजाना खाने से बालों की लंबाई तेजी से बढ़ती है। अगर आप भी बालों के टूटने से परेशान हैं तो इन चीजों को डाइट में शामिल करें।

गाजर और शकरकंद:

अगर आप बालों के झड़ने से परेशान हो चुके हैं तो गाजर और शकरकंद का सेवन शुरू कर दें। ये बीटा-कैरोटीन से भरपूर होते हैं, जो शरीर में विटामिन A बनाते हैं। ये स्कैल्प को नमी देते हैं और बालों को स्वस्थ रखते हैं।

आंवला :

आंवला बालों पर जादू की तरह काम करता है। इसे विटामिन C का खजाना माना जाता है। आंवला बालों का झड़ना रोकता है और नेचुरल कलर भी बनाए रखता है। आंवला पाउडर, मुरब्बा या ताजा आंवला रोजाना लें।

अंडे को वैसे तो पूरी सेहत के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन क्या आपको मालूम है कि ये बालों का सबसे अच्छा दोस्त होता है। अंडे में प्रोटीन, बायोटिन, विटामिन D और आयरन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ये बालों की जड़ों को मजबूत बनाते है साथ ही साथ नई ग्रोथ को बढ़ावा देते है। ऐसे में अपनी डाइट में अंडे को शामिल करें और हफ्ते में 3-4 अंडे जरूर खाएं।

गैस बर्नर को मिनटों में साफ करने के हैक

हर घर की किचन में गैस स्टोव का इस्तेमाल किया जाता है। वैसे तो किचन क्लिनिंग करते समय लोग गैस स्टोव को तो साफ करते हैं लेकिन इसके बर्नर सालों साल साफ नहीं होते हैं। अगर ये बर्नर सालों तक साफ नहीं होते हैं तो इस पर कार्बन जम जाता है, जिसकी वजह से गैस फ्लो में दिक्कत होती है और कुकिंग के समय असमान हीट निकलती है। ऐसे में इसकी सफाई करना बहुत जरूरी है। यहां शशांक अलशी द्वारा बताए हैक के बारे में बता रहे हैं जिसे अपनाकर आप गैस बर्नर को नए की तरह चमका सकते हैं।

सबसे पहले बर्नर को उठाएं और इसके ब्रास पार्ट की सफाई पहले करें। इसके लिए बर्नर को एक कटोरी में रखें और फिर इस पर सिट्रिक एसिड और ईनो डालें। अंत में गर्म पानी से इस कटोरी को भर दें। 10 से 15 मिनट ऐसे ही रखने के बाद आप देखेंगे की बर्नर थोड़ा बहुत साफ हो चुका है। साइट्रिक एसिड जमे हुए कार्बन और ग्रीस को तोड़ने में मदद करता है। ईनो एसिड के साथ मिलकर बुलबुले छोड़ता है, जो बिना जोर से रगड़े बर्नर के छोटे छेदों से जिद्दी गंदगी को ढीला कर देते हैं। बर्नर को इस मिक्स वाले पानी से निकालने के बाद एक खराब टूथ ब्रश लें और फिर इसे सभी तरफ से ब्रश से अच्छे से साफ करें। आप देखेंगे की बर्नर पहले से काफी साफ हो गया है। बर्नर के स्टैंड और प्लेट को साफ करने के लिए भी एक चौड़ी कटोरी में इन्हें रखें और फिर इस पर सिट्रिक एसिड और ईनो डालें। अंत में गर्म पानी से बर्तन को भर दें। फिर बर्नर की तरह से ही इसे भी ब्रश से साफ करें।

आज का राशिफल

मेष राशि - 8 अप्रैल का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी नेतृत्व क्षमता मजबूत होगी और आर्थिक उन्नति के नए अवसर मिलेंगे। व्यापार में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में आपकी बातों को महत्व मिलेगा और आप नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं।

वृषभ राशि - 8 अप्रैल का दिन सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी और सरकारी कामों में लाभ मिलेगा। बिजनेस में नए आइडिया आपको आगे बढ़ाएंगे। सेहत के प्रति सचेत रहने की जरूरत है। लव लाइफ में पार्टनर के साथ चीजें बिगड़ सकती हैं। गुस्से पर काबू रखें।

मिथुन राशि - 8 अप्रैल का दिन भाग्य का साथ देने वाला रहेगा। रुके हुए काम पूरे होंगे और व्यापार में लाभ मिलेगा। धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। नौकरीपेशा जातकों को कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। कोर्ट-कचहरी के मामले से बचकर रहें। घर-परिवार में घुटनों का दर्द सता सकता है।

कर्क राशि - 8 अप्रैल आपको जोखिम भरे कार्यों से बचना होगा। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। बिजनेस में सोच-समझकर निर्णय लेना फायदेमंद रहेगा। मनी मैनेजमेंट की जानकारी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा किसी पुराने दोस्त से सालों बाद मुलाकात हो सकती है। वैवाहिक जीवन में दांपत्य सुख की प्राप्ति होगी।

सिंह राशि - 8 अप्रैल का दिन साझेदारी में काम करने के लिए अच्छा रहेगा। आपकी वाणी और व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा। दांपत्य जीवन में सुधार आएगा। किसी भी तरह के गैर कानूनी कामों से दूर रहें। पार्टनर के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जा सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताने से मन खुश रहेगा।

कन्या राशि - 8 अप्रैल का दिन सेवा और परोपकार में बीतेगा। नौकरी में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और परिवार में समस्याओं का समाधान होगा। किसी रिश्तेदार के घर जाना हो सकता है। परिवार में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। दिखावे से दूर रहें। ऑफिस में आपके सीनियर्स का साथ मिलेगा।

तुला राशि-8 अप्रैल आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। कौशल में निखार आएगा। पुराने मतभेद खत्म हो सकते हैं। करियर में नए अवसर मिलने के साथ लोगों का सहयोग मिलेगा। पार्टनर के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। जंक फूड खाने से बचें।

वृश्चिक राशि - 8 अप्रैल का दिन संपत्ति खरीदने के लिए अच्छा है। हालांकि जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें। यह समय आपके लिए खुद पर काम करने का है, दूसरों पर जरूरत से ज्यादा निर्भर होने पर दिक्कत आपको ही होगी। किसी से भी झूठ बोलने से बचें।

धनु राशि- 8 अप्रैल का दिन सामाजिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने के योग हैं। काम काज में मन लगा रहेगा। खर्च ज्यादा हो सकता है। किसी दोस्त की पैसों से मदद कर सकते हैं। निवेश के मामले में सोच-समझकर फैसला लें।

मकर राशि - 8 का दिन अप्रैल सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। व्यापार में लाभ मिलेगा और मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी सदस्य को सेहत से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऑफिस में बोरियत महसूस होगी। किसी भी तरह के बड़े फैसले लेने से पहले घरवालों के साथ बातचीत करें।

कुंभ राशि- 8 अप्रैल भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ मिल सकता है। नए प्रयासों में सफलता मिलेगी। खर्च बढ़ सकता है। रिश्तों में मजबूती आएगी।

मीन राशि- 8 अप्रैल आपको सावधानी से काम लेने की जरूरत है। खर्चों पर नियंत्रण रखें और जल्दबाजी से बचें। परिवार में तालमेल बनाकर चलें। किसी भी चीज को लेकर ओवरथिंक करने से बचें।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

आयुर्वेद क्यों देता है सात्विक आहार की सलाह?

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में फास्ट फूड और प्रोसेस्ड चीजें हमारी डाइट का हिस्सा बन चुकी हैं। समय बचाने के चक्कर में हम स्वाद और सुविधा को ज्यादा प्राथमिकता देने लगे हैं। लेकिन इसका असर हमारी सेहत पर पड़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ आयुर्वेद, जो हजारों साल पुरानी जीवनशैली पर आधारित है, आज भी उतना ही उपयुक्त है। आयुर्वेद हमें सादा, प्राकृतिक और संतुलित भोजन अपनाने की सलाह देता है। खासतौर पर सात्विक आहार को इसमें सबसे बेहतर माना गया है। कई आयुर्वेदिक संस्थान और आश्रम आज भी अपने यहां सात्विक भोजन को ही प्राथमिकता देते हैं।

सात्विक आहार क्या है और क्यों खास है?

आयुर्वेद के अनुसार भोजन को 3 हिस्सों में बांटा गया है – सात्विक, राजसिक और तामसिक। इनमें सात्विक आहार सबसे शुद्ध और संतुलित माना जाता है। इसमें ताजे फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, दूध, दही, घी, मेवे और बीज शामिल होते हैं। इस तरह का खाना हल्का होता है और शरीर में आसानी से पच जाता है। साथ ही यह सिर्फ शरीर को ही नहीं, बल्कि दिमाग और मन को भी शांत और स्थिर रखने में मदद करता है। यही कारण है कि योग और ध्यान करने वाले लोग सात्विक भोजन को ज्यादा अपनाते हैं।

सात्विक आहार के फायदे

सात्विक भोजन का सबसे बड़ा फायदा यह है कि ये शरीर पर ज्यादा बोझ नहीं डालता। इसमें तेल और मसालों का इस्तेमाल कम होता है, जिससे पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद प्राकृतिक पोषक तत्व शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं, जिससे बीमारियों का खतरा कम होता है। सात्विक भोजन शरीर को अंदर से साफ रखने में भी मदद करता है। क्योंकि यह टॉक्सिन्स को जमा नहीं होने देता। इसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है – मन शांत रहता है, तनाव कम होता है और एकाग्रता बढ़ती है।

क्या यह पोषण की जरूरतें पूरी करता है?

अक्सर लोगों को लगता है कि सात्विक आहार में पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता, लेकिन ऐसा नहीं है। अगर इसे सही तरीके से अपनाया जाए तो यह पूरी तरह संतुलित डाइट साबित हो सकता है। दालें, चना, दूध और पनीर जैसे खाद्य पदार्थ प्रोटीन की जरूरत पूरी करते हैं। ताजे फल और सब्जियां विटामिन और मिनरल्स का अच्छा स्रोत हैं। वहीं चावल, गेहूं और जौ जैसे अनाज शरीर को जरूरी कार्बोहाइड्रेट देते हैं, जिससे ऊर्जा बनी रहती है। मेवे और बीज हेल्दी फैट प्रदान करते हैं, जो दिल और दिमाग के लिए फायदेमंद होते हैं। इस तरह सात्विक आहार शरीर की लगभग हर जरूरत को पूरा कर सकता है।

सात्विक आहार: सिर्फ डाइट नहीं, एक जीवनशैली

आखिर में यह समझना जरूरी है कि सात्विक आहार सिर्फ खाने का तरीका नहीं, बल्कि एक पूरी जीवनशैली है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन बनाने में मदद करता है। अगर इसे सही ढंग से और नियमित रूप से अपनाया जाए तो यह लंबे समय तक स्वस्थ रहने में मददगार साबित हो सकता है। हालांकि, हर व्यक्ति की जरूरत अलग होती है। इसलिए किसी भी बड़े बदलाव से पहले किसी विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर रहता है।

डिलीवरी के बाद योग थेरेपी

बच्चे के जन्म यानी डिलीवरी के बाद अक्सर महिलाओं को शारीरिक थकान, कमजोरी, नींद में कमी के कारण चिड़चिड़ापन, बिना बात का गुस्सा और मांसपेशियों में ढीलेपन की समस्या होती है। अगर महिलाओं की इन समस्याओं का सामाधान तुरंत न किया जाए, तो इससे भविष्य में बीमारियों का खतरा बढ़ता है। डिलीवरी के बाद इन परेशानियों को दूर करने में योग थेरेपी काफी मददगार साबित होती है। योग गुरु स्वामी रामदेव मानते हैं कि डिलीवरी के बाद महिलाएं योग थेरेपी करें। इससे शरीर की मांसपेशियों को धीरे-धीरे मजबूत मिलती है।

पेल्विक मसल्स को मजबूत बनाती है योग थेरेपी

प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के समय महिलाओं की पेल्विक मसल्स काफी कमजोर हो जाती हैं। ऐसे में भुजंगासन, सेतुबंधासन जैसे योगासन पेल्विक मसल्स को एक्टिव करने में मदद करते हैं। इन योगासनों को करने से शरीर का पोस्चर ठीक होता है। साथ ही, कमर और पीठ के दर्द से राहत मिलती है। डिलीवरी के बाद योग और प्राणायाम जैसे अनुलोम-विलोम और भ्रामरी जैसे प्राणायाम करने से शरीर का हार्मोनल संतुलन बनता है। इससे नर्वस सिस्टम स्थिर होता है और महिलाओं को मानसिक शांति मिलती है। डिलीवरी के बाद योग थेरेपी करने से मूड स्विंग्स चिड़चिड़ापन और बिना कारण आने वाला गुस्सा कम होता है।

योग थेरेपी से मानसिक थकान होता है कम

योग थेरेपी का एक खास पहलू होता है श्वास प्रक्रिया। इस दौरान गहरी और नियंत्रित सांस लेने की प्रक्रिया को बार-बार दोहराया जाता है। इससे शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है, जिससे शरीर को एनर्जी मिलती है और थकान भी दूर होती है।

आत्मविश्वास बढ़ाती है योग थेरेपी

कई बार डिलीवरी के बाद महिलाएं अपने शरीर में हुए बदलावों को लेकर असहज महसूस करती हैं। ऐसे में योग थेरेपी करने से महिलाओं को अपने बदले हुए शरीर को स्वीकार करने में मदद मिलती है। डिलीवरी के बाद महिलाएं नियमित योगा अभ्यास करें, तो इससे मन में स्थिरता आती है और आत्मविश्वास बढ़ता है। अगर आपकी भी हाल फिलहाल में डिलीवरी हुई है तो शारीरिक और मानसिक रिकवरी के लिए योग थेरेपी को जरूर अपनाएं। योग थेरेपी शुरुआत में 10 मिनट से शुरू करें और धीरे-धीरे इसका समय 15, 20 और 1 घंटे तक लेकर जाएं।

डिलीवरी के बाद 40 से 50 दिनों तक लगातार योग थेरेपी करने से महिलाओं को मानसिक तौर पर शांति मिलती है। श्वास प्रक्रिया से डिलीवरी के बाद कब्ज, गैस और अपच की समस्या को भी दूर करने में मदद मिलती है।

न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा के सम्मान में विदाई समारोह

दुर्ग/ छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा के 07 अप्रैल को सेवानिवृत्ति के अवसर पर उनके सम्मान में विदाई कार्यक्रम का आयोजन मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा के न्यायालय कक्ष में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर न्यायाधीश रमेश सिन्हा मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा के समग्र जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके विधिक ज्ञान, निष्पक्षता एवं प्रशासनिक दक्षता की सराहना एवं उनके योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके भावी जीवन हेतु शुभकामनाएँ दी। मुख्य न्यायाधीश ने अभिव्यक्त किया कि न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा का न्यायिक जीवन उत्कृष्टता, निष्ठा और न्याय के प्रति अटूट समर्पण से परिपूर्ण रहा है, वे अपने कार्यकाल के दौरान स्पष्टता, संतुलित दृष्टिकोण तथा विधि के शासन के प्रति सम्मान के लिए जाने जाते हैं और अपने सम्पूर्ण न्यायिक जीवन में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा अपनी शालीनता, अनुशासनात्मक दृष्टिकोण एवं संस्था के प्रति गहरे सम्मान के लिए विख्यात रहे हैं। उनके निर्णय न केवल विधिक विवेचन तक सीमित रहे, बल्कि उनमें न्याय की मानवीय समझ भी परिलक्षित होती रही है। मुख्य न्यायाधीश महोदय ने यह भी कहा कि उनके निर्णयों ने व्यवस्था को सुदृढ़ किया तथा उनका आचरण युवा न्यायिक अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत बना और अपने कार्यकाल में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा ने विधि के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक उल्लेखनीय निर्णय दिए, कुल 9,800 से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया, जिनमें 238 ए.एफ.आर. निर्णय भी सम्मिलित है, ये आंकड़े मात्र संख्यात्मक उपलब्धियाँ नहीं, बल्कि उनके न्यायिक दृष्टिकोण एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा ने अपने उद्बोधन में ईश्वर, मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा एवं समस्त माननीय न्यायाधीशगण, परिवार, न्यायिक अधिकारीगण, सहयोगियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए।

उल्लेखनीय है कि, न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा का जन्म 08 अप्रैल, 1964 को अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) में हुआ, उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शासकीय बहुउद्देशीय विद्यालय, अंबिकापुर से प्राप्त की, तत्पश्चात अंबिकापुर महाविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर से विधि शिक्षा प्राप्त की। वर्ष 1994 में उन्होंने व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-द्वितीय के रूप में न्यायिक सेवा प्रारंभ की। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने घरघोड़ा, राजनांदगांव, रायपुर, बिलासपुर और जगदलपुर में विभिन्न पदों पर कार्य किया एवं कॉमर्शियल कोर्ट के प्रथम न्यायाधीश के रूप में पदस्थ रहे हैं। उन्होंने जगदलपुर, बिलासपुर एवं रायपुर में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में भी सेवाएं प्रदान की।

न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा ने उच्च न्यायालय में रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्रार न्यायिक एवं छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी के अतिरिक्त निदेशक के पद पर प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन किया। दिनांक 23 जनवरी 2024 को वे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त हुए तथा 12 दिसंबर 2025 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण किया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के समस्त माननीय न्यायाधीशगण, न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा के परिवार के सदस्यगण, महाधिवक्ता, अध्यक्ष उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ, डिप्टी सॉलिसिटर जनरल, वरिष्ठ अधिवक्तागण, अधिवक्तागण, प्रमुख सचिव विधि एवं विधायी कार्य विभाग, रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री, न्यायिक अकादमी, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के न्यायिक अधिकारीगण, प्रशासन एवं पुलिस अधिकारीगण, उच्च न्यायालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ फूटा पालकों का गुस्सा, शासन से हस्तक्षेप की मांग

अभिभावकों की जेब पर डकैती: ड्रेस और सिलेबस बदलने से मध्यमवर्गीय परिवार परेशान

दुर्ग। शहर के निजी स्कूलों में व्याप्त अनियमितताओं को लेकर अभिभावकों में भारी आक्रोश है। पालकों का कहना है कि स्कूल प्रबंधन अब विद्या के मंदिर को व्यवसाय का केंद्र बना चुके हैं। हर साल सिलेबस और लेखक बदलने से पिछले साल की किताबें किसी काम की नहीं रहतीं। इसके कारण न तो छोटे भाई-बहन उन किताबों का उपयोग कर पाते हैं और न ही उन्हें किसी और को दिया जा सकता है।अभिभावकों के बड़े सवाल:क्यों हर साल प्रकाशक बदले जाते हैं जबकि विषय वही रहते हैं?क्या शिक्षा विभाग का इन निजी संस्थानों पर कोई नियंत्रण नहीं है?आखिर क्यों प्रशासन इन स्कूलों को ड्रेसकोड या स्टेशनरी की 'पुस्तकें' चलाने के लिए बाध्य नहीं करता?पालकों ने चेतावनी दी है कि यदि जिला प्रशासन और छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग ने इस पर जल्द कड़े कदम नहीं उठाए, तो वे उग्र आंदोलन को मजबूर होंगे।

नारधी में राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता सम्पन्न, बंजारी टीम ने मारी बाजी

अम्लेश्वर। पाटन विकासखंड के ग्राम नारधी में छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बंजारी की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अर्जुन मंडल भिलाई की टीम द्वितीय स्थान पर रही तथा उतई की टीम ने तृतीय स्थान हासिल किया। चतुर्थ स्थान पर उत्साही मंडल भिलाई की टीम रही। पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कबड्डी हमारी पारंपरिक खेल होने के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी है। उन्होंने कहा कि खेल में केवल हार-जीत ही नहीं होती, बल्कि इससे शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं का भी विकास होता है। इस अवसर पर पूर्व जनपद सदस्य डॉ. घनश्याम कौशिक, उपसरपंच ललित साहू, प्रेम बिहारी साहू, खोमन साहू, धर्मेंद्र बघेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मोतीपुर के सूने मकान में 8 लाख की चोरी , अमलेश्वर पुलिस ने तीन शातिरों को दबोचा

चोरी के पैसों से खरीदी थी नई स्कूटी, 54 ग्राम सोना और चांदी के जेवर बरामद

दुर्ग। अमलेश्वर/ग्राम मोतीपुर में एक सूने मकान को निशाना बनाने वाले संगठित चोर गिरोह का अमलेश्वर पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से सोने-चांदी के जेवरात, नकदी और मोबाइल सहित कुल 8,22,480 रुपये की संपत्ति बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों ने चोरी की रकम से एक नई स्कूटी भी खरीद ली थी, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

ताला तोड़कर साफ कर दिया था घर- पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार 25 से 29 जनवरी के बीच घर से बाहर गया था। इस दौरान अज्ञात चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे कीमती जेवरात और नकदी पार कर दी थी। घर लौटने पर वारदात का पता चला, जिसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई थी।

तकनीकी साक्ष्यों से खुला राज- मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों का जाल बिछाया। जांच के दौरान पुलिस को संदिग्धों के बारे में सूचना मिली, जिसके बाद घेराबंदी कर खिलेश दास मानिकपुरी और भुनेश्वर उर्फ नानू यादव को हिरासत में लिया गया। कड़ी पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

चोरी का माल खपाने वाला भी गिरफ्तार- पूछताछ में मुख्य आरोपी खिलेश दास ने बताया कि उसने अपने साथी भुनेश्वर के साथ मिलकर चोरी की थी। चोरी किए गए जेवर उन्होंने तुलेश्वर सोनकर उर्फ टिल्लू को बेचने के लिए दिए थे। पुलिस ने तुलेश्वर को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की निशानदेही पर 54 ग्राम सोना, 513 ग्राम चांदी, नकदी, मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और चोरी के पैसों से खरीदी गई नई स्कूटी बरामद की गई है।

पुलिस की अपील- अमलेश्वर पुलिस ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि जब भी लंबे समय के लिए घर से बाहर जाएं, तो इसकी सूचना पास के थाने या पड़ोसियों को जरूर दें और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रखें।

50 साल का बसेरा, अब उजाड़ने की तैयारी? बिना व्यवस्थापन सड़क निर्माण पर भड़के रहवासी'

बिना पुनर्वास आई.आई.टी. पहुंच मार्ग के चौड़ीकरण का विरोध, प्रभावितों ने की व्यवस्थापन की मांग

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के अंतर्गत स्मृति नगर पेट्रोल पंप से जुनवानी, खम्हरिया होते हुए आई.आई.टी. भिलाई तक बनने वाले प्रस्तावित पहुंच मार्ग के चौड़ीकरण को लेकर विवाद गहरा गया है। लोक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा सड़क के दोनों ओर किए जाने वाले इस चौड़ीकरण से वार्ड क्रमांक 01 के सैकड़ों रहवासी प्रभावित हो रहे हैं। प्रभावितों ने स्पष्ट किया है कि बिना उचित व्यवस्थापन और पुनर्वास के वे अपनी जगह खाली नहीं करेंगे।

50 वर्षों से काबिज हैं परिवार- प्रभावित क्षेत्र के निवासियों का कहना है कि वे यहाँ पिछले 50 से अधिक वर्षों से निवास कर रहे हैं। जिस समय यह क्षेत्र विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (SADA) के अधीन ग्रामीण क्षेत्र में आता था, तब से यहाँ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग अपने छोटे-छोटे आशियाने और दुकानें बनाकर जीवनयापन कर रहे हैं। अब अचानक बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के बेदखली के नोटिस से उनके सामने जीवन यापन का संकट खड़ा हो गया है।

व्यवस्थापन के बाद ही कार्य शुरू करने की मांग- रहवासियों ने अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग (उप संभाग क्रमांक 2, दुर्ग) से मांग की है कि सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने से पहले नियमानुसार प्रभावितों के व्यवस्थापन की प्रक्रिया पूर्ण की जाए। लोगों का कहना है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन दशकों से बसे परिवारों को बेघर करना न्यायोचित नहीं है।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग पर मार- वार्ड क्रमांक 01 के रहवासियों ने बताया कि यहाँ रहने वाले अधिकांश लोग दिहाड़ी मजदूर या छोटे दुकानदार हैं। यदि बिना किसी ठोस पुनर्वास नीति के तोड़फोड़ की गई, तो उनकी आर्थिक स्थिति पूरी तरह चरमरा जाएगी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से इस विषय में हस्तक्षेप कर मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उचित कार्रवाई की अपील की गई है।

सिस्टम की मारः दुर्ग जनपद में प्रधानमंत्री आवास के 353 पात्र हितग्राही 'ब्लैकलिस्ट', सपना टूटने की कगार पर

आवास प्लस ऐप में तकनीकी खामी से हजारों जरूरतमंद हुए अपात्र, सुधार का विकल्प भी गायब

दुर्ग। जनपद पंचायत दुर्ग के अंतर्गत आने वाली करीब 47 ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) को लेकर एक बड़ा तकनीकी संकट खड़ा हो गया है। योजना के क्रियान्वयन के लिए उपयोग किए जा रहे 'आवास प्लस ऐप' के सिस्टम ने दुर्ग जनपद के लगभग 353 पात्र हितग्राहियों के नाम स्वतः ही 'अपात्र' श्रेणी में डाल दिए हैं। ताज्जुब की बात यह है कि ये वे हितग्राही हैं जो योजना के निर्धारित 13 बिंदुओं के पात्रता नियमों को पूरी तरह पूरा करते हैं, फिर भी सिस्टम ने इन्हें बाहर कर दिया है।

इस मामले को लेकर बुधवार को हितग्राही जनदर्शन में समस्या बताने कलेक्ट्रेट पहुंचे। और उन्होंने कलेक्टर को अपनी समस्या बताई।

संशोधन का कोई विकल्प नहीं- बता दें,सबसे बड़ी समस्या यह है कि एक बार सिस्टम द्वारा अपात्र घोषित किए जाने के बाद, वर्तमान व्यवस्था में इन नामों के संशोधन या पुनः स्वीकृति का कोई विकल्प मौजूद नहीं है। शासन-प्रशासन के स्तर पर इन 'ब्लैकलिस्टेड' (काली सूची) नामों के समाधान के लिए अब तक कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। इसके कारण न केवल दुर्ग जनपद, बल्कि पूरे जिले के हजारों अति-जरूरतमंद परिवारों का पक्का मकान पाने का सपना टूटता नजर आ रहा है।

सफलता पर खड़े हो रहे प्रश्नचिन्ह- स्थानीय लोगों और जानकारों का कहना है कि एक तरफ सरकार शत-प्रतिशत आवास निर्माण का लक्ष्य लेकर चल रही है, वहीं दूसरी ओर सिस्टम की इस गंभीर त्रुटि के कारण पात्र लोगों को योजना से वंचित किया जा रहा है। यदि समय रहते 'आवास प्लस ऐप' में सुधार या डेटा करेक्शन की अनुमति नहीं दी गई, तो योजना की सफलता पर प्रश्नचिन्ह लगना तय है।

ग्रामीणों में बढ़ता आक्रोश- इस तकनीकी गड़बड़ी के कारण उन गरीब परिवारों में भारी निराशा है जो बरसों से कच्चे मकानों में रहकर पक्के घर की आस लगाए बैठे थे। जनपद स्तर पर अधिकारी भी इस मामले में असहाय नजर आ रहे हैं क्योंकि डेटा का नियंत्रण सीधे केंद्रीय सर्वर से होता है। अब गेंद राज्य और केंद्र सरकार के पाले में है कि क्या वे इन 'तकनीकी रूप से अपात्र' कर दिए गए पात्र हितग्राहियों के लिए कोई विशेष विंडो खोलते हैं या नहीं।

चंद्रनाहू कुर्मी समाज का हुआ शपथ ग्रहण समारोह

बेमेतरा राज के अंतर्गत उपक्षेत्र कोयलरी-कुतबांधा में हुआ कार्यक्रम

बेमेतरा। चंद्रनाहु (चंद्राकर) कुर्मी क्षत्रिय समाज बेमेतरा राज के उपक्षेत्र कोयलारी के अंतर्गत नव निर्वाचित पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अयोध्या चंद्राकर (अध्यक्ष बेमेतरा राज) एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में नरेश चंद्राकर (केंद्रीय संगठन मंत्री) सहित गेंदराम चंद्राकर, गोरेलाल चंद्राकर, भूपेंद्र चंद्राकर, गिरधर चंद्राकर, नरोत्तम चंद्राकर, धनीराम चंद्राकर उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता तुलसीराम चंद्राकर (अध्यक्ष उपक्षेत्र कोयलारी) के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान नवनिर्वाचित पदाधिकारी का शपथ ग्रहण कराया गया। जिसमें निर्वाचित पदाधिकारी के रूप मेंजिसमे अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्राकर उपाध्यक्ष शिवकुमार चंद्राकर सचिव घनू चंद्राकर कोषाध्यक्ष जवाहर चंद्राकर संगठनमंत्री जकला चंद्राकर महिला प्रतिनिधि बिसनी /संतोष चंद्राकर राम बाई/पेखन चंद्राकर पुरुष प्रतिनिधि नरेश चंद्राकर नीलांबर चंद्राकर पलटन चंद्राकर ग्राम इकाई से लोकनाथ चंद्राकर छवि चंद्राकर भास्कर चंद्राकर कृष्णा चंद्राकर सिद्धू चंद्राकर चतुर चंद्राकर चोवा चंद्राकर राज प्रतिनिधि तुलसी राम चंद्राकर ने शपथ ग्रहण किए जिसमे कोयलारी उपक्षेत्र के ग्राम अमचो कोयलारी कुतबाधा पचभैया चुचरुंगपुर तमरूवा बानो मजगांव उड़तला कोरसरा लवनपुर कुहरा सहित सभी ग्राम एवम् राज के पदाधिकारियों के उपस्थिति में संपन्न हुआ।

शहर क्षेत्र में मशीनों से चमकेंगी सड़कें, निगम ला रहा हाईटेक सफाई व्यवस्था, स्वच्छ दुर्ग की ओर बड़ा कदम, मशीनीकृत सफाई से बदलेगी सड़को की तस्वीर

शहर की सफाई में बड़ा बदलाव, अब मशीनों से होगी सड़कों की सफाई

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया गया है। शहर में बढ़ते धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने एवं वायु गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से निगम द्वारा अत्याधुनिक मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों का उपयोग शुरू किया गया है।

महापौर अलका बाघमार ने दिखाई हरी झंडी, 2 मशीनों का हुआ शुभारंभ- आज महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्रकार, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल, एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकर, पार्षद देव नारायण तांडी, अभियंता विनीता वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, कर्म शाला अधिक्षक शोयब अहमद सहित निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना कर मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

वैक्यूम तकनीक से होगी धूल-मुक्त सफाई- यह अत्याधुनिक मशीन वैक्यूम वायु तकनीक पर आधारित है, जो सड़कों पर जमा धूल, रेत एवं छोटे मलबे को प्रभावी ढंग से हटाती है। इससे न केवल सफाई बेहतर होगी, बल्कि धूल प्रदूषण में भी कमी आएगी। अब मुख्य सड़कों, चौड़ी सड़कों एवं कॉलोनियों में मैन्युअल झाड़ू के स्थान पर मशीनों से सफाई की जाएगी। नगर निगम द्वारा 02 स्वीपिंग मशीनें क्रय की जा रही हैं। यह पहल शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।गलियों में सफाई की जिम्मेदारी कर्मियों को जहां बड़ी मशीनें नहीं पहुंच पाएंगी, वहां की तंग गलियों एवं आंतरिक मार्गों की सफाई की जिम्मेदारी निगम के सफाई कर्मियों को दी जाएगी। इस व्यवस्था से पूरे शहर में संतुलित और प्रभावी सफाई सुनिश्चित की जाएगी। शुभारंभ के दौरान महापौर ने कहा कि नगर निगम शहर को स्वच्छ, सुंदर और धूल मुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। मशीनीकृत सफाई व्यवस्था से न केवल कार्य में तेजी आएगी, बल्कि नागरिकों को स्वच्छ वातावरण भी प्राप्त होगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com